RNI No. : TNHIN/2013/52520 वर्ष - 14 अंक - 21 पृष्ठ - 8 रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 12-08-2026 www.dakshinbharat.com Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 रेफरल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए ऑनलाइन सेतु एप होगा लागू

6 छात्र आंदोलनों में लोगों का दोहरा मापदंड क्यों?

7 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' में डिप्टी कमिश्नर बनीं तब्बू

## फर्स्ट टेक

### नासा ने भारत को 'मून बेस मिशन' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के तहत, नासा ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास मनुष्यों के लिए ठिकाना बनाने के अपने महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। 'मून बेस मिशन' नामक इस परियोजना का उद्देश्य चालक दल वाले और मानवरहित अभियानों की एक शृंखला के जरिए अंतरिक्ष यात्रियों के रहने, काम करने और खोज-अन्वेषण के लिए एक स्थायी ठिकाना स्थापित करना है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य वैज्ञानिक खोज के रास्ते खोलना और भविष्य में अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए तैयारी करना है।

### श्रीलंका में नयी आव्रजन व्यवस्था को मंजूरी, भारत से लौटने वालों को होगी आसानी

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका सरकार ने भारत में रह रहे उन शरणार्थियों की स्वैच्छिक वापसी को आसान बनाने के लिए विशेष आव्रजन व्यवस्था को मंजूरी दी है जो दशकों लंबे गृहयुद्ध के दौरान बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के श्रीलंका छोड़कर चले गए थे। मंगलवार को यहां जारी मंत्रिमंडल की एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त के सहयोग से लौटने वाले लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य उन शरणार्थियों के सामने आने वाली कानूनी अड़चनों को दूर करना है, जो बिना मंजूरी के श्रीलंका छोड़कर गए थे। व्यवस्था के तहत, एक अगस्त 2006 से पहले बिना पासपोर्ट के देश छोड़ने वाले श्रीलंकाई नागरिकों की राज्य खुफिया सेवा द्वारा जांच की जाएगी जिसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि उन पर हत्या, राजद्रोह या अन्य अपराधों का आरोप तो नहीं है।

### सीरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति असद को मौत की सजा सुनाई

दमिश्क/एपी। सीरिया की एक अदालत ने मंगलवार को देश के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके छोटे भाई को मौत की सजा सुनाई है। यह सजा उन्हें सीरिया के 14 साल लंबे संघर्ष के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों और युद्ध अपराधों के लिए सुनाई गई। इस संघर्ष में लगभग पांच लाख लोग मारे गए थे। उन्हें अदालत में उनकी अनुपस्थिति में यह सजा सुनाई गई।

| सूर्यास्त | सूर्योदय |
|---|---|
| 12-07-2026 6:32 बजे | 13-08-2026 5:58 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 78,154.25 (-388.19 ) | 24,471.70 (-112.10) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 15,978 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | 260,000 रु. प्रति किलो |

## मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### घायल बहनें

नहीं निरापद राजमार्ग भी,
अपराधों के नाम हुए।
चैन स्नैचिंग चैराहों पर,
गैंग रेप अब आम हुए।
गुण्डे जब भाई कहलाते,
रिष्ते भी बदनाम हुए।
बहनों की रक्षा हो कैसे,
तंत्र सभी नाकाम हुए।।

## मंगल मिलन

संसद के मानसून सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक में राष्ट्रीय ध्वज लहराते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

# प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से स्वतंत्रता दिवस गर्व के साथ मनाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस को सम्मान, गर्व और गौरव के साथ मनाने तथा विकसित भारत का संकल्प लेने का आग्रह किया। मोदी ने 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्ट में यह बात कही और एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसद और कई केंद्रीय मंत्री तिरंगा लहराकर तथा 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका अभिवादन करते नजर आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, ''आइए, हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें। हम एक विकसित भारत का संकल्प लें। हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा, हर मन तिरंगा। आइए, हम हर घर पर तिरंगा फहराएं। भारत माता की जय, वंदे मातरम, वंदे मातरम, वंदे मातरम।'' इससे पहले, संसद भवन परिसर में राजग संसदीय दल की बैठक के आयोजन स्थल जीएमसी बालयोगी सभागार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रवेश करने पर सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने तिरंगा लहराकर तथा 'वंदे मातरम' और ''भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी तिरंगा लहराया। बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, एस जयशंकर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। राजग के घटक दलों के नेताओं में जद(एस) के एचडी कुमारस्वामी, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के किंजरापु राम मोहन नायडू, आरपीआई (ए) के रामदास आठवले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रफुल्ल पटेल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा और एनसीपीआई की शताब्दी रॉय सहित अन्य मंत्री भी बैठक में मौजूद रहे।

बैठक में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल शक्ति मंत्रालय के विभिन्न कार्यों पर एक प्रस्तुति भी दी। संसद सत्र के दौरान हर मंगलवार को राजग संसदीय दल की बैठक आयोजित की जाती है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और 13 अगस्त को संपन्न होगा। बैठक के तुरंत बाद, राजग सांसदों ने संसद के 'मकर द्वार' के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जहां उनका आमना-सामना विपक्षी 'इंडि' गठबंधन के सांसदों से हुआ, जो विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे।

## दक्षिण अफ्रीका में बंद खदान में 14 खनिक मृत मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/एपी। दक्षिण अफ्रीका में एक बंद पड़ी खदान में कम से कम 14 खनिक मृत पाए गए और कई अन्य घायल मिले। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'साउथ अफ्रीकन पुलिस सर्विस' ने बताया कि ये खनिक जोहानिसबर्ग से लगभग 130 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में रस्टेनबर्ग शहर के पास एक खदान में मृत पाए गए। इसने कहा कहा कि प्रांतीय पुलिस आयुक्त घटनास्थल की ओर रवाना हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका में छोटे स्तर पर काम करने वाले ऐसे हजारों खनिक हैं जो सोने और प्लेटिनम की उन खदानों में गैर-कानूनी तौर पर काम करते हैं जिनका इस्तेमाल अब खनन कंपनियां नहीं करती हैं। ये अनौपचारिक खनिक अक्सर बिना उचित सुरक्षा उपकरणों के काम करते हैं और कभी-कभी बचे हुए भंडार की तलाश में हफ्तों तक जमीन के नीचे रहते हैं।

## राष्ट्रपति ने वंदे मातरम् के अपमान को अपराध बनाने वाले विधेयक को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को उस विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसमें राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन में जानबूझकर बाधा डालने या उसे रोकने को अपराध बनाया गया है। इस कानून के तहत वंदे मातरम को वही कानूनी संरक्षण मिलेगा, जो वर्तमान में राष्ट्रगान को प्राप्त है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 कानून बन गया है। लोकसभा में 30 जुलाई को यह विधेयक पारित हुआ था, जबकि राज्यसभा ने इसे एक दिन पहले ही मंजूरी दे दी थी।

इस कानून के तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा प्राप्त है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लालकिले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। इससे पहले, राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के तहत राष्ट्रगान 'जन गण मन' के गायन को जानबूझकर रोकना या ऐसे गायन में शामिल किसी सभा में व्यवधान डालना प्रतिबंधित था। इन अपराधों के लिए तीन साल तक की सजा, जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। वहीं, दूसरी और उसके बाद की प्रत्येक दोषसिद्धि पर कम से कम एक साल की जेल की सजा का प्रावधान था। हालांकि, पुराने कानून में राष्ट्रगीत वंदे मातरम को इसी तरह का कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं था।

## झारखंड विधानसभा की ओर मार्च के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ता हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को रांची में राज्य विधानसभा की ओर मार्च कर रहे एबीवीपी के 110 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने जैसे ही रांची के पुराने विधानसभा क्षेत्र से मार्च शुरू किया, उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस बीच, प्रदर्शनकारियों ने हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को ले जा रही बस को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की, जिसके बाद उनकी पुलिस के साथ झड़प हो गई। मार्च के दौरान पुलिस की ओर से कुछ महिला प्रदर्शनकारियों को भी हिरासत में लिए जाने की खबर है।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान एक लड़की सहित दो छात्र बेहोश हो गए। सुरक्षा अधिकारियों ने लड़की को पास के एक छायादार क्षेत्र में पहुंचाया, जहां साथी प्रदर्शनकारियों ने उसे पानी पिलाया। एबीवीपी ने छात्रों के खिलाफ पुलिस के कथित अत्याचार पर सरकार से जवाब मांगा। उसने दावा किया कि विधानसभा की ओर विरोध मार्च के दौरान रांची पुलिस ने संगठन के 200 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा ने कहा, विधानसभा की ओर मार्च के दौरान एबीवीपी के करीब 110 कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया। किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। एबीवीपी कार्यकर्ता कुमार दिव्यांशु ने कहा कि सरकार युवाओं और छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

## तमिलनाडु के लिए 15 दिन तक 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े कर्नाटक : सीडब्ल्यूआरसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) ने मंगलवार को कर्नाटक सरकार को निर्देश दिया कि वह अगले 15 दिन तक तमिलनाडु के लिए हर दिन कावेरी नदी से 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े। यह निर्देश नदी के पानी के बंटवारे को लेकर दक्षिण के इन दो राज्यों के बीच जारी विवाद के बीच दिया गया। यह निर्देश सीडब्ल्यूआरसी की बैठक में जारी किया गया, जिसकी अध्यक्षता इसके अध्यक्ष विनीत गुप्ता ने की। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) की बैठक आज बाद में होनी है।

सीडब्ल्यूएमए ने पूर्व में कर्नाटक को निर्देश दिया था कि वह तमिलनाडु के लिए कावेरी का पानी छोड़े। सीडब्ल्यूआरसी ने 28 जुलाई को हुई अपनी बैठक में निर्देश दिया था कि कर्नाटक 29 जुलाई से 15 दिन तक बिलिगुंड्लु में 3,500 क्यूसेक पानी का बहाव सुनिश्चित करे। इसके बाद सीडब्ल्यूएमए ने आदेश को बरकरार रखा और कर्नाटक को इसका पालन करने का निर्देश दिया। हालांकि, तमिलनाडु ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक तय मात्रा में पानी नहीं छोड़ रहा।

तमिलनाडु सरकार के अनुसार, 29 जुलाई से दो अगस्त के बीच बिलिगुंड्लु में पानी का बहाव 158 क्यूसेक से 550 क्यूसेक के बीच दर्ज किया गया। ताज़ा घटनाक्रम इस मुद्दे पर तमिलनाडु की कानूनी चुनौती के बीच हुआ है। उच्चतम न्यायालय इस मुद्दे पर तमिलनाडु सरकार की याचिका पर 13 अगस्त को सुनवाई करेगा।

## अभिषेक पोरेल 'बलात्कार' के आरोपों में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को हुगली जिले में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर मेडिकल की एक छात्रा ने शादी का वादा करके कथित तौर पर यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हुगली (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक कुनार भूषण सिंह ने पीटीआई को बताया, ''उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और उन्हें गिरफ्तार करने का अदालत का आदेश था। उन्हें कल देर रात गिरफ्तार किया गया। उन्हें आज अदालत में पेश किया जाएगा।'' पोरेल को मोगरा पुलिस ने सोमवार देर रात गिरफ्तार किया और उन्हें मंगलवार को चिनसुरा की एक कोर्ट में पेश किया जा सकता है।

यह गिरफ्तारी तब हुई जब 20 जुलाई को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पुलिस को मामले के सिलसिले में क्रिकेटर को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। अदालत ने शिकायतकर्ता की तस्वीरों के प्रसार को रोकने के लिए उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त करने का भी आदेश दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने पोरेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के अलावा धारा 311 और 318 और बीएनएस के अन्य प्रावधानों के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 और 72 के तहत मामला दर्ज किया है।

## सरकार ने 10 व 20 रुपये के एक अरब प्लास्टिक नोट के चलन के लिए दी मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार ने क्षेत्रीय परीक्षणों के लिए 10 और 20 रुपये के एक अरब प्लास्टिक बैंक नोटों की शुरुआत के लिए मंजूरी दे दी है। उन्होंने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश के साथ, क्षेत्रीय परीक्षणों के लिए 10 और 20 रुपये के एक अरब पॉलिमर बैंक नोट की शुरुआत के लिए और क्षेत्रीय परीक्षणों के सफल समापन के बाद इन दो मूल्यवर्गों में ऐसे बैंक नोटों के नियमित निर्गमन के लिए सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 25 के अनुसार, एक प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि विपणन प्रक्रिया अभी प्रारंभिक चरण में है। इसलिए, इस समय, व्यावहारिक रूप से पॉलिमर बैंक नोट की शुरुआत के लिए सटीक समय-सीमा या उस पर होने वाले संभावित व्यय का निर्धारण करना संभव नहीं होगा। वित्त मंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा मापी गई औसत खुदरा मुद्रास्फीति 2023-24 के 5.4 प्रतिशत से लगातार घटकर 2024-25 में 4.6 प्रतिशत और 2025-26 में 2.1 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण मूल्यों के झटके और बढ़े हुए वैश्विक ऊर्जा मूल्यों, सब्जियों के दामों में मौसमी तेजी और अपेक्षित प्रतिकूल अल नीनो के कारण, 2026-27 की पहली तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई।

## 'इतिहास मनमोहन सिंह को सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के रूप में याद रखेगा'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को कहा कि इतिहास मनमोहन सिंह को भारत के बेहद सौम्य, लेकिन सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्रियों में से एक के रूप में याद रखेगा। सोनिया गांधी ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री सिंह को हाल में कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में उच्चतम न्यायालय से 'क्लीन चिट' मिलने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने एक लेख में इस बात पर जोर दिया कि जनवरी, 2014 में सिंह द्वारा की गई राजनीतिक भविष्यवाणी अब हर गुजरते दिन के साथ अधिक स्पष्ट होती जा रही है। उनका इशारा सिंह के उस समय दिए गए एक बयान की ओर था, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री ने कहा था कि नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना देश के लिए ''विनाशकारी'' साबित होगा।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस' के लिए लिखे गए एक लेख में कहा कि सिंह के ईमानदारी के रिकॉर्ड की तुलना में मोदी सरकार का रिकॉर्ड बिल्कुल विपरीत है। सोनिया गांधी मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते समय सत्तारूढ़ संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की प्रमुख थीं। उनके मुताबिक, 29 जुलाई, 2026 का दिन भारतीय राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण लेकिन 'अनदेखा'' दिन था, जब उच्चतम न्यायालय ने कथित कोयला घोटाला मामले में सिंह को सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट' के आधार पर दी गई 'क्लीन चिट' को बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने अधीनस्थ अदालत द्वारा सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट' खारिज करने और तत्कालीन प्रधानमंत्री सिंह के खिलाफ बिना किसी ठोस कारण'' प्रतिकूल टिप्पणियां करने को भी गलत ठहराया। उन्होंने कहा,'' यह हमारे सार्वजनिक विमर्श के सबसे दुखद अध्यायों में से एक, डॉ. सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान का अंत है। वह असाधारण शुचिता और ईमानदारी वाले व्यक्ति थे।'' कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह खुद इन दिनों देश के छात्रों को उन पर हमला करने के लिए ''माफ'' कर रहे हैं, इसलिए शायद वह सिंह को अमर्यादित तरीके से ''बदनाम करने'' के लिए खुद को भी माफ कर सकते हैं।

## कोलंबिया में भूकंप के बाद 3,000 से अधिक लोगों की तलाश जारी

बोगोटा (कोलंबिया)/एपी। पश्चिमी कोलंबिया के कई शहरों और कस्बों में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद मंगलवार को खोज और बचाव अभियान फिर से शुरू किया गया। भूकंप के कारण 3,000 से अधिक लोग लापता हैं और बड़ी संख्या में लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। कैली, पेरेइरा, चोको और मानिजालेस के मेयर और गवर्नर ने मंगलवार को बताया कि इन चार क्षेत्रों में कम से कम 179 लोगों की मौत हुई है। वहीं, संघीय सरकार ने सोमवार को जारी अपने अंतिम आधिकारिक आंकड़े में मृतकों की संख्या 111 बताई थी। करीब 1,600 इमारतों के क्षतिग्रस्त होने या ढह जाने की खबर है। सैनिक, बचावकर्मी और स्थानीय लोग मलबा हटाने में जुटे हैं। स्वयंसेवकों की कतार बनाकर कंक्रीट के बड़े-बड़े टुकड़े हाथों से हटाए जा रहे हैं। भूकंप का केंद्र रहे चोको क्षेत्र कोलंबिया के सबसे गरीब और उपेक्षित इलाकों में से एक है, जहां अक्सर सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष होता रहता है। इस क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों तक केवल नाव, जंगल के रास्ते या हवाई मार्ग से ही पहुंचा जा सकता है, इसलिए वहां हुए नुकसान की पूरी जानकारी अभी नहीं मिल सकी है।

# राहुल गांधी ने संसद को बंधक बना लिया है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

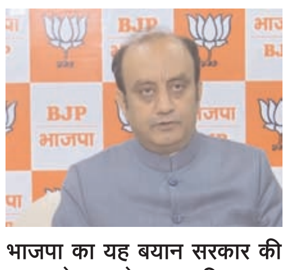


**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अपनी ''मनमानी और अनियंत्रित व्यवहार' से संसद को बंधक बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह सदन में कोई सार्थक चर्चा नहीं चाहते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पाटी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने नीट और छात्रों के मुद्दों से संबंधित राहुल गांधी की कई मांगें मान ली हैं और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी संसद में विस्तृत बयान देने को तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस नेता भाग रहे हैं।

त्रिवेदी ने कहा, ''आप सभी ने देखा है कि वह (गांधी) सत्र के दौरान सदन से भाग जाते हैं और सत्र खत्म होने के बाद विदेश चले जाते हैं... लेकिन विदेश जाने से पहले, थोड़ी हिम्मत जुटाइए और गृह मंत्री अमित शाह का बयान सुनने का साहस दिखाइए।''

भाजपा का यह बयान सरकार की उस घोषणा के एक दिन बाद आया है जिसमें कहा गया था कि शाह देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर होने वाली बहस का जवाब देंगे। लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट कर कर दिया है कि संसद में उसका विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले में माफी नहीं मांगते।

राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि ''देश को संसद में आम विषयों'' पर शाह की राय में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह यह जानना चाहता है कि क्या उन्होंने प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश दिया था। भाजपा प्रवक्ता ने गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा, मुझे लगता है कि हमारे संविधान निर्माताओं ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि देश के सबसे ऊंचे सदन को कोई बिगड़ैल राजकुमार अपने मनमाने व्यवहार और सनक के कारण बंधक बना लेगा।

त्रिवेदी ने कहा, ''एक-एक करके उनकी मांगें पूरी की गई हैं। उन्होंने कहा कि नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा)से जुड़े नियमों में बदलाव होने चाहिए, और इसे मान लिया गया।

उन्होंने कहा कि कड़े कानून बनाए जाने चाहिए, और छात्रों की यह मांग भी मान ली गई।'' भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि ''नए कानून, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और छात्रों के खिलाफ मामले वापस लेने की मांगें भी मान ली गईं, लेकिन हर बार वह कोई नई मांग लेकर आ जाते हैं।''

त्रिवेदी ने गांधी पर संसद की कार्यवाही से बचने और संसद सत्र के बाद विदेश यात्रा करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि यह स्वाभाविक है कि सत्र के बाद वह फिर से विदेश भाग जाएंगे। लेकिन विदेश भागने से पहले, इतनी हिम्मत ज़रूर जुटाएं कि जाने से पहले गृह मंत्री अमित शाह

# वीबी-जीराम-जी लागू होने के एक महीने के भीतर 9.69 करोड़ से ज्यादा 'श्रम दिवस' सृजित किये गए : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि मनरेगा की जगह लागू किए गए 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी' (वीबी-जीराम-जी) अधिनियम के लागू होने के एक महीने के भीतर ही 9.69 करोड़ से अधिक 'श्रम दिवस' (काम के दिन) सृजित किए गए हैं।

ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि वीबी-जीराम-जी अधिनियम, 2025 को लागू कर दिया गया है और वीबी-जीराम-जी योजना को 1 जुलाई 2026 से पूरे देश के ग्रामीण इलाकों में शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इसी तारीख से 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005' (मनरेगा) निष्प्रभावी हो गया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इस योजना को अधिसूचित कर दिया है और वीबी-जीराम-जी कानून के प्रावधानों के अनुसार इच्छुक परिवारों को रोजगार देकर इसके तहत काम शुरू कर दिया है।

जवाब में कहा गया, मनरेगा से वीबी-जीराम-जी में परिवर्तन सुगम, निर्बाध और मजदूर-केंद्रित रहा है। वीबी-जीराम-जी अधिनियम लागू होने के लगभग एक महीने के भीतर ही 9.69 करोड़ से ज्यादा श्रमिक दिवस पैदा किए गए हैं। वीबी-जीराम-जी के तहत हर उस ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन के वैतनिक रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाती है, जबकि मनरेगा के तहत 100 दिन के वेतन वाले रोजगार की गारंटी थी।

# स्वतंत्रता दिवस समारोह से पूर्व कश्मीर घाटी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**श्रीनगर/भाषा।** कश्मीर घाटी में स्वतंत्रता दिवस समारोहों के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए बहुस्तरीय मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की गई है। घाटी के पुलिस प्रमुख वी के बिड़दी ने मंगलवार को यहां यह जानकारी दी।

यहां 'बलिदान स्तंभ' पर तैयारियों का जायजा लेने के बाद कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बिड़दी ने पत्रकारों से कहा कि सुरक्षा के सभी इंतजाम कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर पुलिस न सिर्फ श्रीनगर में, बल्कि घाटी के विभिन्न जिलों में भी हमेशा मज़बूत सुरक्षा प्रबंध बनाये रखती है। न सिर्फ खास आयोजन स्थलों पर, बल्कि शहर के आस-पास के इलाकों में भी कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था की गई है।''

अनंतनाग और पुलवामा में हाल में हुए हमलों की जांच के बारे में पूछे जाने पर आईजीपी ने कहा, ''जांच चल रही है, इसलिए अभी इस बारे में कुछ बताना सही नहीं होगा। जब भी हमारे पास आपके साथ साझा करने के लिए कोई स्पष्ट जानकारी या ब्योरा होगा, तो हम सही समय पर उसे आपके साथ साझा करेंगे।'' उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता दिवस समारोहों में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा, ''यह एक सार्वजनिक कार्यक्रम है। इसमें पुलिस केवल सहायक या आयोजक की भूमिका निभाती है। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे बड़ी संख्या में इन कार्यक्रमों में भाग लें और इन्हें सफल बनाएं।'' उन्होंने घाटी के सभी जिलों में स्वतंत्रता दिवस समारोह और अन्य कार्यक्रमों के लिए सुरक्षा एवं अन्य इंतजामों का जायज़ा लेने के लिए यहां एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

इस बैठक में सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिरीक्षक, अतिरिक्त आयुक्त (एसबी श्रीनगर) और संबद्ध सुरक्षा एजेंसियों के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बिरदी को सुरक्षा इंतज़ामों के बारे में बताया। जिला पुलिस प्रमुखों ने भी स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए अपने-अपने ज़िलों में की जा रही तैयारियों और सुरक्षा इंतज़ामों के बारे में उन्हें जानकारी दी। बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे खास तौर पर संवेदनशील और जोखिम वाले इलाकों में नियंत्रण और गश्त बढ़ाएं।

उन्होंने श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में होने वाले मुख्य कार्यक्रम के लिए सुरक्षा इंतज़ामों का भी जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर लें। पुलिस महानिरीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संवेदनशील जगहों और शहर में आने-जाने के रास्तों एवं सुरक्षा चौकियों को और मज़बूत करें। सुरक्षा के कड़े इंतज़ामों के तहत, पुलिस ने लाल चौक और शहर के अन्य इलाकों में अचानक चेकिंग और तलाशी ली।

## राज्यसभा में उठी न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और त्वरित बनाने की मांग

**नई दिल्ली/भाषा।** राज्यसभा में विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों ने न्यायाधिकरणों (ट्रिब्यूनल) की कार्यप्रणाली, लंबित मामलों के निपटारे, न्यायिक स्वतंत्रता और प्रशासनिक सुधारों से जुड़े मुद्दे उठाए और न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और त्वरित बनाने की मांग की। दो बार के स्थगन के बाद उच्च सदन में 'न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026' पर चर्चा शुरू हुई। भाजपा के सुभाष बराला ने कहा कि पिछले कुछ साल के दौरान न्यायाधिकरणों के समक्ष रिक्तियां, लंबित मामलों, अवसंरचना सहित कई चुनौतियां आई हैं। यह विधेयक विभिन्न न्यायाधिकरणों के अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति के लिए दक्षता बढ़ाना, स्वतंत्रता, पारदर्शिता और योग्यता संबंधी मानदंडों में एकरूपता सुनिश्चित करेगा। मोदी के नेतृत्व में सुधार की 2014 में शुरूआत हुई थी, न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026' इन्हीं सुधारों की दिशा में एक कदम है।

# ईडी ने 2,000 करोड़ रुपये के चिट-फंड घोटाले में 182 बैंक खाते फ्रीज' किए, एक करोड़ रुपये नकद जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कई राज्यों में 2,000 करोड़ रुपये के चिट फंड घोटाले के सिलसिले में छापेमारी के दौरान 182 बैंक खातों को 'फ्रीज' कर दिया है और एक करोड़ रुपये से अधिक नकद और छह महंगी कारें जब्त की हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

ईडी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उसके भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय ने चिट फंड घोटाले की जांच के सिलसिले में पांच अगस्त को विशाखापत्तनम और हैदराबाद में 'वेलफेयर बिल्डिंग्स एंड एस्टेट्स प्राइवेट लि.' (डब्ल्यूबीईपीएल) और उसके निदेशकों से जुड़ी पांच जगहों पर धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत छापेमारी की कार्रवाई की। एजेंसी ने बताया कि आंध्र प्रदेश के पूर्व विधायक एम. वी. प्रसाद, वराह रामकृष्ण सत्य श्रीनिवास राव अल्ला और अन्य लोगों के परिसरों पर छापेमारी की गई थी। केंद्रीय एजेंसी ने बताया कि छापेमारी के दौरान डब्ल्यूबीईपीएल, उसके निदेशकों और उससे जुड़ी कंपनियों से संबंधित 1.01 करोड़ रुपये नकद (भारतीय मुद्रा), कई चल-अचल संपत्ति और आपत्तिजनक सामग्री/दस्तावेज (जैसे संपत्ति के कागजात और कई डिजिटल उपकरण) बरामद और जब्त किए गए।

# भाजपा की राजनीति का आधार हैं करेंसी नोट: हेमंत सोरेन

**रांची/भाषा।** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को आरोप लगाया कि विधानसभा के अंदर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों द्वारा लहराए गए करेंसी नोट ही उनके अस्तित्व का आधार हैं। सोरेन की यह टिप्पणी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच आई है। भाजपा विधायकों ने भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को नौकरी के बदले पैसे लेने के मामले से जोड़ने के प्रयास में करेंसी नोटों की गड्डियां लहराई थीं। सोरेन ने आरोप लगाया, हमने विधानसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया, लेकिन विपक्ष ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते इसमें बाधा डाली। भाजपा विधायकों ने विधानसभा के अंदर करेंसी नोट लहराए, लेकिन वही नोट उनके अस्तित्व और उनकी राजनीति का आधार हैं। आप सभी जानते हैं कि गरीबों, जरूरतमंदों और युवाओं की जेब से किस तरह पैसा निकाला जा रहा है। विधानसभा की कार्यवाही 12 अगस्त के निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद सोरेन ने सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कही। सोरेन ने आरोप लगाया, केंद्र की नीतियों के कारण छात्रों को नौकरी गंवानी पड़ रही है और छोटे, मध्यम और बड़े प्रतिष्ठान बंद हो रहे हैं।

## छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी ने कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया

**रायपुर/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी उन्हें अदालत में पेश कर हिरासत का अनुरोध करेगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी के पूर्व कोषाध्यक्ष अग्रवाल को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया है। छत्तीसगढ़ पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अग्रवाल को ''कुछ घोटाले'' से संबंधित मामलों की जांच के सिलसिले में जुलाई में गिरफ्तार किया था।

प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार, यह कथित शराब घोटाला 2019 से 2022 के बीच उस वक्त हुआ था जब छत्तीसगढ़ में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ नौकरशाहों और राजनीतिक हस्तियों के ''एक आपराधिक'' सिंडिकेट ने छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग को पूरी तरह से ''अपने नियंत्रण'' में ले लिया था, जिससे राज्य को 2,883 करोड़ रुपये के राजस्व का ''भारी नुकसान'' हुआ।

# आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 15 अगस्त को नागपुर में 'जेन-जी' से करेंगे संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नागपुर/भाषा।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत 15 अगस्त को यहां लोकमत मीडिया समूह द्वारा आयोजित किये जा रहे एक कार्यक्रम में विद्यार्थियों और युवाओं से बातचीत करेंगे। आयोजकों ने यह घोषणा की।

यह कार्यक्रम आरएसएस सरसंघचालक के मुंबई में एक कार्यक्रम में 'जेन-जी' से संवाद करने के कुछ दिन बाद होने वाला है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, भागवत सुबह 9:30 बजे कस्तूरचंद पार्क में ध्वजारोहण करेंगे। इसी पार्क में मार्च महीने में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकमत मीडिया समूह द्वारा लगाए गए 200 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का उद्घाटन किया था।

बयान के मुताबिक, ध्वजारोहण के बाद एक विशेष कार्यक्रम होगा, जहां भागवत 'भारत के उज्वल भविष्य में युवाओं का योगदान' विषय पर युवाओं से संवाद करेंगे। बयान के अनुसार, लोकमत मीडिया समूह के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष और राज्यसभा के पूर्व सदस्य डॉ. विजय दर्डा के विचार पर आधारित इस खास पहल का आयोजन लोकमत समूह और नागपुर नगर निगम ने संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, महापौर नीता ठाकरे, नगर आयुक्त डॉ. विपिन इतांकर और विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां शामिल होंगी।

मीडिया समूह ने कहा कि मुंबई में 'जेन-जी' के साथ भागवत की बातचीत से देश-विदेश में काफी चर्चा शुरू हो गयी।

सरसंघचालक अब नागपुर में युवाओं से बातचीत करने वाले हैं। चूंकि, नागपुर आरएसएस का मुख्यालय भी है, इसलिए इस कार्यक्रम को खास दिलचस्पी के साथ देखा जा रहा है।

# 'रचनात्मक कांग्रेस' के अधिवेशन में खरगे, राहुल होंगे शामिल, सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर चर्चा

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के प्रकोष्ठ 'रचनात्मक कांग्रेस' के अध्यक्ष संदीप दीक्षित ने मंगलवार को कहा कि बुधवार से यहां संगठन का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाएगा जिसमें शिक्षा, सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय, बेरोजगारी और पर्यावरण सहित समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी शामिल होंगे। दीक्षित ने संवाददाताओं से कहा कि 'रचनात्मक कांग्रेस' एक ऐसा मंच है जहां सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विषयों को उठाने वाले लोग एक साथ आ सकते हैं तथा उन लोगों के साथ संवाद किया जाता है जो लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और जमीन से जुड़कर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अधिवेशन दो दिन का होगा और इसमें देशभर से प्रतिनिधि शामिल होंगे। पहले दिन करीब 400 और दूसरे दिन करीब 600 प्रतिनिधियों के पहुंचने की उम्मीद है।' दीक्षित के मुताबिक, पहले दिन संगठन से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी और इसके बाद 'रचनात्मक कांग्रेस' की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूसरे दिन पहले दिन हुई चर्चा की समीक्षा की जाएगी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अपनी बात रखेंगे। दीक्षित ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे और लोगों के साथ संवाद करेंगे।

## वंदे मातरम् पर थरूर ने कहा : कट्टरतावादी लोगों ने मानवीय स्वभाव के पहलू को नजरअंदाज किया

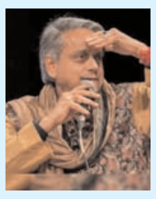

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम की शुरुआत और समापन पर राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रगीत के गायन को अनिवार्य बनाने के सरकार के कदम की आलोचना करते हुए मंगलवार को कहा कि इससे 'वंदे मातरम' के प्रति अधिक सम्मान बढ़ाने के लिए लाए गए संशोधित कानून का मकसद शायद पूरा नहीं हो पाए। थरूर ने इस बात का उल्लेख किया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वंदे मातरम् से संबंधित संशोधन को मंजूरी दे दी है। यह संशोधन संसद में बिना चर्चा के पारित हुआ और इसके तहत किसी भी आधिकारिक कार्यक्रम की शुरुआत और समापन पर राष्ट्रगान के अलावा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को पूर्ण रूप से गाना अनिवार्य किया गया है। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य थरूर ने कहा, मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो दोनों का बहुत सम्मान करता है और राष्ट्र गीत के पहले दो अंतरे गा सकता हूं तथा पूरा राष्ट्रगान भी गा सकता हूं। मैं केवल एक व्यावहारिक पहलू की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं, जिसे ये कट्टरतावादी लोग नजरअंदाज करते दिख रहे हैं, वो है मानवीय स्वभाव। उन्होंने कहा कि 'जन गण मन' के दौरान श्रोताओं से सम्मानपूर्वक खड़े रहने और करीब 52 सेकंड तक ध्यान केंद्रित रखने की अपेक्षा की जाती है।

## गृह मंत्री ने फिर साबित किया कि डराने-धमकाने वाले 'खुद कायर' होते हैं: कांग्रेस

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद के वर्तमान मानसून सत्र में अब तक लोकसभा और राज्यसभा से अनुपस्थित रहे हैं तथा उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि डराने-धमकाने वाले ''खुद कायर'' होते हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने संसद के दोनों सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद यह भी कहा कि ''खबरें प्लांट करने'' और विमर्श बदलने की कोशिशों के बावजूद गृह मंत्री सदन में नहीं आ सके। केंद्रीय गृह मंत्री आज भी लोकसभा में नजर नहीं आए, जबकि सदन की कार्यसूची में उनके नाम के आगे विधायी कामकाज सूचीबद्ध था। कांग्रेस नेता ने दावा किया, एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया है कि डराने-धमकाने वाले खुद कायर होते हैं।

# पप्पू यादव को अतिरिक्त निजी सुरक्षा अधिकारी दिया जाए : अदालत ने केंद्र को दिया निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह लोकसभा सदस्य राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को बिना किसी देरी के एक अतिरिक्त निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) उपलब्ध कराए। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक आवेदन देकर उनकी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी।

उन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) विवाद और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खिलाफ संसद में विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने के बाद जान से मारने की धमकियां मिलने के मद्देनजर यह मांग की। केंद्र की ओर से पेश हुए वकील आशीष दीक्षित ने अदालत को बताया कि यादव का आवेदन विचारार्थ है और तीन हफ्ते के अंदर इस पर निर्णय ले लिया जाएगा। वहीं, निर्दलीय सांसद के वकील ने कहा कि अगर इस बीच उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा दी जाती है, तो इस समय वह याचिका पर विचार करने का अनुरोध नहीं करेंगे। अदालत ने आदेश दिया, ''रिट याचिका को आगे नहीं बढ़ाने के आधार पर निस्तारित किया जाता है। साथ ही, प्रतिवादी को निर्देश दिया जाता है कि अस्थायी व्यवस्था के तौर पर याचिकाकर्ता को बिना किसी और देरी के एक अतिरिक्त पीएसओ उपलब्ध कराये, जब तक कि संबंधित आवेदन पर उनके द्वारा निर्णय नहीं ले लिया जाता।''

# साथियों से सात लाख रुपये से अधिक की ठगी के आरोप में पुलिस प्रशिक्षु अधिकारी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** केरल में एक पुलिस प्रशिक्षु अधिकारी को अपने साथी प्रशिक्षुओं से वर्दी के लिए कथित तौर पर सात लाख रुपये से अधिक की रकम जमा करने और उसे ऑनलाइन सट्टेबाजी खेल में खर्च करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पेरूरकडा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी शंभू आर कृष्णन विशेष सशस्त्र पुलिस (एसएपी) में प्रशिक्षु अधिकारी था और उसे सोमवार देर रात गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी वर्दी समिति का सदस्य था और उसने कई प्रशिक्षुओं से कुल 7,18,320 रुपये कथित तौर पर एकत्र किए थे। यह राशि पुलिस ड्राई कैंटीन के खातों और वर्दी सिलने वाली सोसायटी में जमा की जानी थी, ताकि वर्दी की सामग्री खरीदी जा सके। प्राथमिकी में कहा गया है कि आरोपी ने तीन जुलाई से 13 जुलाई के बीच यह रकम एकत्र की, लेकिन उसे जमा करने के बजाय कथित रूप से ऑनलाइन सट्टेबाजी खेल में मुनाफा कमाने के उद्देश्य से खर्च कर दिया। जब साथी प्रशिक्षुओं ने कथित धोखाधड़ी की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी, तो एसएपी के एक वरिष्ठ कमांडिंग अधिकारी ने पेरूरकडा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

# भाजपा को मनमोहन सिंह से माफी मांगनी चाहिए : केरल के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने मंगलवार को कहा कि कथित कोयला ब्लॉक आवंटन घोटाला मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को बरी किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्व प्रधानमंत्री से माफी मांगनी चाहिए। सतीशन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उच्चतम न्यायालय के 29 जुलाई के फैसले से यह साबित हो गया कि सिंह की ईमानदारी पर कभी कोई शक नहीं था। मुख्यमंत्री ने एक राष्ट्रीय दैनिक में प्रकाशित कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के लेख का जिक्र करते हुए ये बात कही। लेख का शीर्षक था, 'इतिहास डॉ. मनमोहन सिंह को प्रभावशाली प्रधानमंत्री के रूप में याद रखेगा'।

सतीशन ने इसी पोस्ट में कहा कि वर्षों तक सिंह के कामकाज के रिकॉर्ड को दबाने और उन्हें बदनाम करने के लिए लगातार अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा, ''वर्षों तक एक मनगढ़ंत घोटाले और लगातार बदनाम करने के अभियान का इस्तेमाल करके उस व्यक्ति के कामकाज के रिकॉर्ड को दबाने की कोशिश की गई, जिसने भारत को सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, वन अधिकार अधिनियम और शिक्षा का अधिकार जैसे कानून दिए। इसमें राज्यसभा में की गई वह अमर्यादित रेनकोट' वाली टिप्पणी भी शामिल है।''

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''आज 'द इंडियन एक्सप्रेस' में सोनिया गांधी का लेख इस बात को स्पष्ट और गरिमापूर्ण ढंग से रखता है और इसे पूरा पढ़ा जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इतिहास सिंह को एक शांत और सौम्य व्यक्ति के रूप में याद रखेगा, जो इस गणतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण प्रधानमंत्रियों में से ''एक'' थे। सतीशन ने कहा, ''भाजपा को उनसे माफी मांगनी चाहिए।''

# गठबंधन बदलने को लेकर तमिलनाडु विधानसभा में तीखी नोकझोंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** गठबंधन बदलने के मुद्दे पर तमिलनाडु विधानसभा में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम और सत्ता पक्ष के बीच तीखी बहस हुई तथा सदस्यों ने एक-दूसरे पर व्यक्तिगत टिप्पणियां भी कीं। विधानसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए पन्नीरसेल्वम ने आरोप लगाया कि टीवीके सरकार अपने प्रमुख चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने खासतौर पर महिलाओं को दी जाने वाली बढ़ी हुई मासिक वित्तीय सहायता और हर साल छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने के वादे का उल्लेख किया।

पन्नीरसेल्वम ने कहा, जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया था, लेकिन उसे भारी निराशा हाथ लगी है। चुनावी घोषणापत्र में किए गए इन वादों को प्रमुख योजनाओं के रूप में लागू किया जाना चाहिए था, लेकिन सरकार ऐसा करने में विफल रही। पूर्व अन्नाद्रमुक नेता पन्नीरसेल्वम ने दावा किया कि सरकार के प्रति जनता की भावना बदल गई है। पन्नीरसेल्वम ने विधानसभा चुनाव से पहले द्रमुक का दामन थाम लिया था। सत्ता पक्ष की ओर से, सदन के नेता के ए सेंगोट्टैयन ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार के पास अपने वादे पूरे करने के लिए पांच साल का जनादेश है। इसके बाद बहस जल्द ही व्यक्तिगत टिप्पणियों में बदल गई और नेताओं ने राजनीतिक निष्ठाएं बदलने को लेकर एक-दूसरे पर निशाना साधा।

सेंगोट्टैयन ने पन्नीरसेल्वम पर तंज करते हुए कहा, ''जैसा कि आपने खुद कभी कहा था कि केवल तीन महीने में इतिहास नहीं बनाया जा सकता। अगर आपने अपने कार्यकाल में ऐसा कर दिखाया था तो हमें भी बताइए।'' उन्होंने कहा कि ''जब आम लोग सरकार के कामकाज की सराहना कर रहे हैं, तब बजट को निराशाजनक बताना अजीब है। विपक्षी नेता के हालिया राजनीतिक बदलाव पर कटाक्ष करते हुए सेंगोट्टैयन ने कहा, सिर्फ गठबंधन बदल लेने का मतलब यह नहीं है कि आप अपने नए नेता की प्रशंसा में गीत गाने लगें।''

इस पर पन्नीरसेल्वम ने पलटवार करते हुए कहा कि सेंगोट्टैयन भी अन्नाद्रमुक से मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके में शामिल हुए थे। देखते-देखते बहस ''तस्वीरों और निष्ठा'' तक पहुंच गई। स्कूल शिक्षा मंत्री ए राजमोहन ने सेंगोट्टैयन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह अब भी अपनी शर्ट की जेब में दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की तस्वीर रखते हैं, लेकिन पन्नीरसेल्वम ने न केवल अपना स्थान बदला है बल्कि अपने दिल के करीब रखी तस्वीर भी बदल ली है। लोक निर्माण और खेल मंत्री आधव अर्जुन ने भी सेंगोट्टैयन की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी बदलने के बावजूद दिवंगत नेता की तस्वीर अपने पास रखी है। पन्नीरसेल्वम ने कहा कि पेरियार, अन्ना, एम करुणानिधि, एम जी रामचंद्रन और जे जयललिता जैसे नेता उनके दिल में बसे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''हम जनता को गुमराह करने के लिए दिखावा करने में विश्वास नहीं रखते।'' उन्होंने अपने मौजूदा रुख का बचाव करते हुए कहा कि वह द्रविड़ आंदोलन के प्रति प्रतिबद्ध हैं और पिछले पांच वर्षों में राज्य के अधिकारों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के संघर्ष से जुड़े रहे हैं। पन्नीरसेल्वम ने कहा, ''मैं उनकी तस्वीर उनके प्रति आभार व्यक्त करने के लिए रखता हूं।'' सेंगोट्टैयन ने इन टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए स्पष्ट किया कि वह किसी की निजी तस्वीर रखने पर सवाल नहीं उठा रहे थे, बल्कि विपक्षी नेता द्वारा बजट को लेकर की गई टिप्पणियों को अपमानजनक मानते हैं।

उन्होंने कहा, ''उन्होंने अम्मा (जयललिता) के नेतृत्व में तीन बार मुख्यमंत्री के रूप में काम किया है। जनता आज उनके बयानों को ध्यान से देख रही है।'' बहस जारी रहने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने हस्तक्षेप किया और कुछ टिप्पणियों को आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने दोनों पक्षों से चर्चा को गरिमा के अनुरूप आगे बढ़ाने की अपील की।

# मुख्यमंत्री विजय ने 'नशा मुक्त तमिलनाडु' अभियान में हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को यहां सिटी कॉलेज में राज्य स्तरीय नशा विरोधी संकल्प एवं अभियान का नेतृत्व किया तथा लोगों, खासकर छात्रों से राज्य में नशे के खतरे को खत्म करने के लिए मिलकर प्रयास करने की जोरदार अपील की।

उन्होंने इस अवसर पर लोगों को संकल्प दिलाया, जिसमें व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाने, परिवार की सुरक्षा, पुनर्वास में सहयोग और राज्य के विकास पर जोर दिया गया।

इस शपथ में लोगों ने मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने, दूसरों को नशे की लत से बचाने, पुनर्वास प्रयासों में सहयोग करने और तमिलनाडु में अवैध मादक पदार्थों को खत्म करने में सरकार की सक्रिय रूप से मदद करने का संकल्प लिया।

एक अधिकारी ने बताया कि बड़ी संख्या में लोगों ने 'नशा मुक्त तमिलनाडु' पोर्टल के माध्यम से ई-शपथ ली।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने विशेषीकृत मादक पदार्थ रोधी कार्यबल (एएनटीएफ) का गठन किया था जिसकी जिला स्तर पर शाखाएं हैं। इसके अलावा, सरकार ने 'नशा मुक्त तमिलनाडु ऐप' शुरू किया था, जिसके माध्यम से छात्र और शिक्षक अपने आसपास होने वाली अवैध मादक पदार्थ गतिविधियों की गुमनाम रूप से शिकायत कर सकते हैं। युवा स्वयंसेवी समूहों को स्कूलों के आसपास सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने और स्थानीय स्तर पर युवाओं के बीच नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

**पुरस्कार**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने 11 अगस्त को चेन्नई स्थित स्टेट कॉलेज परिसर में आयोजित नशा मुक्त तमिलनाडु कार्यक्रम में, स्कूलों में नशा विरोधी जागरूकता फैलाने और नशाखोरी को कम करने में उत्कृष्ट कार्य के लिए चयनित तीन क्लबों को पुरस्कार, प्रशंसा पत्र और ट्राफियां प्रदान कीं। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एम. साईकुमार, गृह, निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. के. मणिवासन, पुलिस महानिदेशक महेश कुमार अग्रवाल, प्रवर्तन निदेशालय, आपराधिक जांच विभाग के अतिरिक्त पुलिस निदेशक के. शंकर, चेन्नई महानगर पुलिस आयुक्त डॉ. ए. अमलराज, चेन्नई जिला मजिस्ट्रेट एस. मालथी हेलेन, पुलिस एवं उच्च सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

# अन्नाद्रमुक नेता ने अभिनेत्री का नाम लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पर कसा तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेता आर. बी. उदयकुमार ने मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर तंज कसते हुए पूछा कि वह कई फिल्मों में उनके साथ काम कर चुकीं अभिनेत्री त्रिशा को उपमुख्यमंत्री कब बनाएंगे।

हालांकि, जिन लोगों को उन्होंने निशाना बनाया, उनकी ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। वायरल हुए वीडियो में पूर्व मंत्री को यह कहते सुना जा सकता है कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार मुख्यमंत्री के करीबी लोगों को विभिन्न सरकारी पदों पर नियुक्त कर रही है।

उन्होंने विशेष रूप से उन निर्माताओं और तकनीकी दल के सदस्यों का जिक्र किया, जिन्होंने उनकी फिल्मों में काम किया है। उदयकुमार ने उन लोगों के नाम गिनाए, जिन्हें मंदिर ट्रस्टी, नई दिल्ली में तमिलनाडु सरकार के विशेष प्रतिनिधि, मुख्यमंत्री के निजी सचिव, राज्य फिल्म प्रशिक्षण संस्थान के प्रमुख और सरकारी सलाहकार जैसे पदों पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा कि त्रिशा को उपमुख्यमंत्री कब नियुक्त किया जाएगा।

# तमिलनाडु विधानसभा में एफसीआरए संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु विधानसभा ने मंगलवार को 'विदेशी अंशदान (विनियमन) (एफसीआरए) संशोधन विधेयक, 2026' के मौजूदा स्वरूप का विरोध करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।

प्रस्ताव में केंद्र से इस विधेयक को वापस लेने का आग्रह करते हुए कहा गया है कि इस संशोधन से परमार्थ संगठनों की स्वायत्तता विशेष रूप से अल्पसंख्यकों द्वारा चलाए जा रहे शैक्षणिक और समाज कल्याण संस्थानों के कामकाज पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

प्रस्ताव पर चर्चा के बाद इसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर ने घोषणा की कि स्कूल शिक्षा मंत्री ए. राजमोहन द्वारा पेश किया गया प्रस्ताव पारित हो गया है।

# एमआरएफ लिमिटेड द्वारा वित्तीय परिणाम जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** देश की प्रसिद्ध टायर निर्माता कम्पनी एमआरएफ लिमिटेड ने 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अनुसार एमआरएफ की समेकित कुल आय 8610.56 करोड़ रुपये है। जबकि पिछले वर्ष समाप्त हुई इसी तिमाही में यह आंकड़ा 7804.23 करोड़ रुपये का था।जून 2025 को समाप्त तिमाही के लिए समेकित कर-पूर्व लाभ 649.69 करोड़ रुपये और जून 2026 में इसी तिमाही में कर पूर्व लाभ 671.83 करोड़ रुपये है। जून 2025 कि पहली तिमाही में राजस्व 495.35 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2026 में समाप्त हुई इसी तिमाही में यह 501.82 करोड़ रुपये हो गया है।

कंपनी के उत्पादों की अच्छी मांग के चलते, कंपनी ने पहली तिमाही में मजबूत परिचालन प्रदर्शन किया है कंपनी द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सभी क्षेत्रों में वाहनों की बिक्री में मजबूत वृद्धि दर्ज होने के कारण मूल वाहन निर्माताओं से टायर मांग में तेजी आई है प्रतिस्थापन वाहनों की बिक्री भी अच्छी रही क्योंकि मांग लगातार मजबूत बना हुआ है। हालांकि, इस तिमाही में उच्च इनपुट लागतों ने लाभप्रदता को थोड़ा प्रभावित किया है।

# टीवीके सरकार ने एफसीआरए विधेयक के खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश कर केंद्र सरकार से विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' को वापस लेने की मांग की।

स्कूल शिक्षा मंत्री राजमोहन ने सदन में प्रस्ताव पेश किया। इसमें कहा गया कि एफसीआरए संशोधन विधेयक के प्रावधान परमार्थ संगठनों की स्वायत्तता और विशेष रूप से अल्पसंख्यकों द्वारा चलाए जा रहे शैक्षणिक और सामाजिक कल्याण संस्थानों के कामकाज पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी संशोधन में नैसर्गिक न्याय, समानता के अधिकार, संपत्ति के अधिकारों की सुरक्षा, वैध अधिकारों और संघवाद का ध्यान रखा जाना चाहिए। सदन में पेश किए गए प्रस्ताव के अनुसार, विदेशी अंशदान में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ-साथ, कानूनी रूप से काम करने वाले परमार्थ, शैक्षिक, चिकित्सा, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कल्याण संगठनों के अधिकारों की भी रक्षा की जानी चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर ने विधायकों को इस प्रस्ताव पर अपनी बात रखने के लिए आमंत्रित किया। देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) की प्रमुख प्रेमलता विजयकांत ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपनी बात रखी।

# तमिलनाडु विधानसभा में नीट समाप्त करने संबंधी प्रस्ताव पारित, भाजपा का बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई/भाषा।** तमिलनाडु विधानसभा ने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को समाप्त करने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले की सुविधा प्रदान करने का आग्रह करते हुए मंगलवार को एक प्रस्ताव पारित किया।

स्वास्थ्य मंत्री के. जी. अरुणराज द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया कि राज्य सरकार ने लगातार इस बात पर बल दिया है कि नीट सामाजिक न्याय तथा समानता के खिलाफ है और जहां तक चिकित्सा शिक्षा का सवाल है, यह राज्यों के अधिकारों के भी खिलाफ है। प्रस्ताव में आरोप लगाया गया कि नीट तमिल माध्यम के विद्यार्थियों, ग्रामीण और सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के चिकित्सा शिक्षा के अवसरों को गंभीर रूप से कमजोर करता है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक), पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और वामपंथी दलों के सदस्यों ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया जिसके बाद इसे पारित किया गया। भाजपा विधायक भोजराजन ने प्रस्ताव का विरोध किया और सदन से बहिर्गमन किया। द्रमुक के एक विधायक की ओर से कुछ टिप्पणियां किए जाने की पृष्ठभूमि में, मंत्री राजमोहन ने कहा कि ''इस मामले को राजनीति को दूर रखा जाना चाहिए''। विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर ने द्रमुक विधायक की कुछ टिप्पणियों को कार्रवाई से हटा दिया।

# अभिनेता प्रकाश राज का दावा, बेंगलूरु में मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया

**बेंगलूरु।** अभिनेता प्रकाश राज ने मंगलवार को दावा किया कि बेंगलूरु में जारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया है। अभिनेता ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर साझा किये गए एक वीडियो में दावा किया कि वह उन 65 लाख मतदाताओं में से एक हैं, जिनका मताधिकार एसआईआर के बाद खत्म कर दिया गया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता ने कहा, ''...मैं आपके साथ एक मजाक साझा करना चाहता हूं। मैं उन 65 लाख मतदाताओं में से एक हूं, जिनका मताधिकार एसआईआर के बाद बेंगलूरु निर्वाचन क्षेत्र से हटा दिया गया है। अच्छा मजाक है, है ना? मेरा जन्म इसी निर्वाचन क्षेत्र में हुआ था। मैं इसी निर्वाचन क्षेत्र में रहा हूं, मेरी स्कूल-कॉलेज की पढ़ाई यहीं हुई और थिएटर का काम भी यहीं सीखा। आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मैंने इसी निर्वाचन क्षेत्र से संसदीय चुनाव भी लड़ा था।''

प्रकाश राज ने कहा, ''खैर, अच्छा मजाक है। चलिए, शुरू करते हैं। मुझे देखने दीजिए कि क्या प्रक्रिया है। अपना मतदाता पहचान पत्र वापस पाने के लिए क्या-क्या कागज दिखाना पड़ेगा?'' केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए अभिनेता ने कहा, ''ठीक है, तो खेल शुरू हो गया है। लेकिन दोस्त, एक छोटी सी बात कहूं, हो सकता है कि आप अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके उन कुछ नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दें जो शायद आपको न चुनें। लेकिन क्या आप हमें... आपको सत्ता से हटाने से रोक सकते हैं? बस पूछ रहा हूं। बाय।''

यहां निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की ओर से उनके दावे पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

# तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़ने के निर्देश के खिलाफ कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा कर्नाटक

**नई दिल्ली/बेंगलूरु।** कर्नाटक के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) द्वारा तमिलनाडु को 15 दिनों तक प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक कावेरी जल छोड़ने की सिफारिश को बरकरार रखे जाने के बाद राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय का रुख करने सहित सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। सीडब्ल्यूएमए की बैठक में शामिल हुए गुप्ता ने कहा कि कर्नाटक को उम्मीद है कि इस आदेश के खिलाफ उसकी अपील पर उच्चतम न्यायालय में 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कावेरी से संबंधित लंबित मामले के साथ विचार किया जाएगा। गुप्ता ने नई दिल्ली में कहा, ''सीडब्ल्यूएमए ने कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरए) के निर्णय को बरकरार रखा है। समिति ने निर्णय दिया कि कर्नाटक को 15 दिनों तक प्रतिदिन 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ना होगा और इस पानी की मात्रा का आकलन बिलिगुंडलु मापन केंद्र पर किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि राज्य इस आदेश के विभिन्न पहलुओं की व्यापक समीक्षा करने के बाद अपनी कानूनी रणनीति तय करेगा। उन्होंने कहा, इस मुद्दे के कई आयाम हैं और समस्या के कई पहलू हैं। हम इन सभी का समग्र रूप से परीक्षण करेंगे और उसके बाद हमारे लिए उपलब्ध कानूनी उपायों, कानूनी दृष्टि से उठाए जा सकने वाले कदमों तथा राज्य के लिए न्याय सुनिश्चित करने के तरीकों पर उचित निर्णय लेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या सीडब्ल्यूएमए ने कर्नाटक के साथ अन्याय किया है, गुप्ता ने कहा स्थिति लगातार बदल रही है और आगे जल प्रबंधन चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

# कर्नाटक में ट्रेकिंग के दौरान 31 वर्षीय पेशेवर लापता, मध्यप्रदेश पुलिस ने मदद की पेशकश की

**बेंगलूरु/भाषा।** बेंगलूरु में मंगलवार को निर्माणाधीन अंडरपास में बड़ी मात्रा में मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सूत्रों ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा बनाए जा रहे अंडरपास के लिए करीब 20 फुट गहरी खोदी गई खाई में पांच मजदूर आरसीसी ढलाई से संबंधित काम कर रहे थे।

पुलिस ने बताया कि खाई में जमा पानी को मोटर की मदद से बाहर निकाला जा रहा था, तभी अचानक एक तरफ की मिट्टी धंस गई। पुलिस ने बताया कि खतरे का अंदेशा होते ही तीन मजदूर वहां से निकलने में कामयाब रहे, जबकि दो अन्य मलबे के नीचे दब गए।

पुलिस के अनुसार, परिमल (31) मिट्टी में दब गए थे और उन्हें मौके पर मृत पाया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य मजदूर सोनाराम (26) को काफी प्रयासों के बाद बाहर निकाला गया और कनवा अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी चोटों के कारण मौत हो गई। घायल तीन मजदूरों की पहचान सदानंद, सुनील और इम्तियाज के रूप में हुई है। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है। नंदिनी लेआउट पुलिस, दमकल और आपातकालीन सेवा कर्मियों तथा स्थानीय निवासियों ने मिट्टी धंसने की सूचना मिलते ही बचाव अभियान शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

विज्ञापन सं. डी.एस._IX-14011/1/2026-अनुभाग_9-DOS दिनांक: 12/08/2026
Advertisement No. DS_IX-14011/1/2026-Section_9-DOS Dated: 12/08/2026

**भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA**
**अंतरिक्ष विभाग / DEPARTMENT OF SPACE**

**अंतरिक्ष क्षेत्र में अनुसूची 'ए' सी.पी.एस.ई., न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल), बेंगलुरु में तत्काल आमेलन के आधार पर निदेशक (तकनीकी और रणनीति) के पद** के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

Applications are invited for the **post of Director (Technical Strategy)** in **NewSpace India Limited (NSIL), Bengaluru,** a Schedule 'A' CPSE in the Space sector, on **immediate absorption basis.**

**आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 12/09/2026 है।**

**The last date for receipt of applications is 12/09/2026.**

विस्तृत जानकारी के लिए करियर्स लिंक के अंतर्गत वेबसाइट www.isro.gov.in देखें।

For details, visit the website **www.isro.gov.in** under the link Careers.

**इस विज्ञापन में परिशिष्ट/शुद्धि पत्र, यदि कोई हो, केवल उपयुक्त वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।**
**Addendum/corrigendum to this dvertisement, if any, will be published only in the above website.**

CBC 49120/11/0003/2627

# रेफरल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए ऑनलाइन सेतु एप होगा लागू : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि रेफरल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आईएचएमएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से तैयार किया गया ऑनलाइन सेतु एप को जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं एम्बुलेंस में उपयोग में लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस सेतु एप के माध्यम से रेफरल होने के बाद उच्च चिकित्सा संस्थान में पूर्व में ही आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा सकेंगी तथा क्यूआर कोड के माध्यम से रेफर संस्थान को मरीज के पहुंचने से पूर्व ही मरीज की रिपोर्ट प्राप्त होगी, जिससे इलाज की तैयारी पूर्व में हो सके। प्रमुख शासन सचिव ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन से आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मातृ मृत्यु के मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों के साथ उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि चिकित्सा संस्थान स्तर पर संबंधित चिकित्सा प्रभारी एवं ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी द्वारा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, हाइपर टेंशन, वजन एवं आवश्यकतानुसार सोनोग्राफी जांच सुनिश्चित की जाए।

श्रीमती राठौड़ ने प्रसव पूर्व जांच सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए संस्थान स्तर पर आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस अभियान में प्रत्येक गर्भवती महिला की हर महीने में स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की जांच के साथ ही सघन मॉनिटरिंग करते हुए सुरक्षित प्रसव पर विशेष बल दिया। बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने बीकानेर, उदयपुर, कोटा, जोधपुर, बूंदी, डूंगरपुर, अजमेर तथा श्रीगंगानगर में दर्ज मातृ मृत्यु के मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों के साथ उपचार व्यवस्था एवं प्रोटोकॉल पर चर्चा करते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश देते हुए गैप कम करने को कहा। अलवर सीएमएचओ ने बताया कि अलवर जिले के निजी निशु हॉस्पिटल में अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा प्रसूता की डिलेवरी कराने के मामले में अस्पताल का पंजीकरण निरस्त कर दिया गया है। साथ ही अस्पताल के संचालक चिकित्सक का आरएमसी रजिस्ट्रेशन तथा नर्सिंगकर्मियों का आरएनसी निरस्त के लिए लिखा गया है।

प्रमुख शासन सचिव ने प्रदेश में संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्कूलों में 18 वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात विकृतियां, बच्चों के विकास में बाधक बनने वाली बीमारियां आदि की स्क्रीनिंग कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन आरबीएसके कार्यक्रम के तहत संचालित टीम स्कूलों में जाकर आवश्यक स्वास्थ्य जांच करेगी एवं आवश्यकता होने पर रेफरल कार्ड बनाने, फालोअप के साथ ही पीड़ित बच्चे का निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करेगी। इसके लिए उन्होंने दैनिक रूप से निदेशालय स्तर पर रिपोर्ट भेजने के भी निर्देश दिए।

श्रीमती राठौड़ ने बारिश के मौसम को देखते हुए मौसमी बीमारियां मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, स्क्रबटाइफस आदि से बचाव एवं रोकथाम के लिए सेम्पलिंग एवं सर्विलॉन्स गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अस्पतालों में दवाई एवं चिकित्सकीय उपकरणों के सुरक्षित रख-रखाव पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने अस्पतालों में असुरक्षित या जर्जर कमरों को उपयोग में नहीं लेने के भी निर्देश दिए।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. नरोत्तम शर्मा, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# राज्य चुनाव आयुक्त ने युवा मतदाताओं में निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने युवाओं में निर्वाचन साक्षरता बढ़ाने पर जोर देते हुए निर्वाचन साक्षरता क्लब (ईएलसी) की गतिविधियों को बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राजस्थान के निर्वाचन साक्षरता क्लब के अधिकारियों और महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ संवाद किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में युवा मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया से जोड़ने, मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा महाविद्यालय स्तर पर निर्वाचन साक्षरता गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई।

इस दौरान 'एक राज्य-एक चुनाव', युवा मतदाता और निर्वाचन साक्षरता क्लब की भूमिका से संबंधित प्रस्तुतियां भी दी गईं। सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत नागरिक की आवाज है और युवाओं की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र को अधिक सशक्त बनाती है।

उन्होंने युवा मतदाताओं से मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने, सही एवं तथ्यपरक जानकारी के आधार पर मतदान का निर्णय लेने तथा अफवाह, प्रलोभन व दबाव से दूर रहकर अपने मताधिकार का विवेकपूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने युवा मतदाताओं से अपने साथ-साथ परिवार और समुदाय के अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया। बयान के अनुसार, कार्यक्रम में निर्वाचन साक्षरता क्लबों को 'कॉलेज से लोकतंत्र की प्रयोगशाला तक' की अवधारणा के साथ प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सिंह ने कहा कि राजस्थान का पंचायती राज व्यवस्था के क्षेत्र में गौरवशाली इतिहास रहा है।

उन्होंने कहा कि देश में पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत राजस्थान से हुई थी और अब 'एक राज्य-एक चुनाव' की पहल का सौभाग्य भी राजस्थान को मिल रहा है। सिंह ने कहा कि सभी नगरीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में एक साथ चुनाव कराने का निर्णय निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सरल, प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा इससे प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता, संसाधनों के बेहतर उपयोग व विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति मिलेगी।

इस अवसर पर 'एक राज्य-एक चुनाव' की अवधारणा और सभी नगरीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं में एक साथ चुनाव कराने के निर्णय से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। बयान के अनुसार, इसके प्रमुख उद्देश्यों में राजनीतिक स्थिरता एवं प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता, चुनावों के दौरान पारदर्शिता सुनिश्चित करना, आर्थिक बचत एवं संसाधनों का बेहतर उपयोग तथा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना शामिल है।

# राज्य में 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की हुई समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत सरकार की आर्थिक मामलात सचिव श्रीमती अनुराधा ठाकुर एवं मुख्य सचिव के मध्य राज्य में संचालित बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की प्रगति, भावी प्राथमिकताओं तथा नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई तथा केंद्र-राज्य समन्वय को सुदृढ़ करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में भारत सरकार के आर्थिक कार्य विभाग के अधिकारियों सहित राज्य के वित्त एवं आयोजना विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने बैठक में बताया कि सिंगल नोडल एजेंसी प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु 'एसएनए स्पर्श' तथा वित्तीय लेनदेन को त्वरित व पारदर्शी बनाने वाली 'साइबर ट्रेजरी' प्रणाली सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है। आर्थिक कार्य सचिव श्रीमती अनुराधा ठाकुर ने इन नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि यह अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल है।

बैठक में कौशल विकास तथा उच्च व तकनीकी शिक्षा क्षेत्रों में नई परियोजनाओं को चिह्नित करने पर विस्तृत संवाद हुआ। आर्थिक कार्य सचिव ने सुझाव दिया कि अर्बन मोबिलिटी, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, हाईवे विकास व अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों में पीपीपी मॉडल के माध्यम से निजी पूंजी के प्रभावी एकीकरण की दिशा में कार्य किया जाए, जिस पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

# राजस्थान के कई भागों में भारी बारिश की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता के चलते राजस्थान में पिछले 24 घंटे के दौरान कई स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश हुई और मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के दौरान भी कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार, कम दबाव का क्षेत्र मंगलवार को भी मध्यप्रदेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों के ऊपर बना हुआ है। इसने कहा कि मानसून की 'ट्रफ लाइन' भी मंगलवार को बीकानेर और कम दबाव के क्षेत्र से होकर गुजर रही है जिसके प्रभाव से पिछले 24 घंटे के दौरान झालावाड़ जिले में अत्यंत भारी बारिश, जबकि बूंदी और कोटा जिलों में अति भारी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा कि बांसवाड़ा और डीडवाना जिलों में भी कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई।

इसने कहा कि इस दौरान सबसे अधिक 300 मिलीमीटर बारिश झालावाड़ जिले के सुनेल में दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को कोटा, उदयपुर, अजमेर और जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में मध्यम से लेकर कहीं-कहीं भारी और अति भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, भरतपुर, बीकानेर और जोधपुर संभाग के कुछ हिस्सों में भी मध्यम से तेज बारिश हो सकती है।

जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में 12 अगस्त को भी मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर भारी तथा एक-दो स्थानों पर अति भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 13 अगस्त से भारी बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। हालांकि, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और पूर्वी राजस्थान में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसने बताया कि जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग के अधिकांश हिस्सों में 14 अगस्त से बारिश की गतिविधियों में कमी आने का अनुमान है। हालांकि, उत्तर-पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश हो सकती है। इसी तरह 15 अगस्त से राज्य के उत्तरी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

# आमजन को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रक्रियाओं को सरल और प्रभावी बनाएं : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित कमेटी ऑफ सेक्रेटरीज (उेड) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में रिफॉर्म उत्सव, केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में व्यय, हर घर तिरंगा अभियान-2026, जन-अभियोग निस्तारण एवं राजस्थान सम्पर्क 181 तथा मिशन हरियालो राजस्थान सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में आयोजित होने वाला 'रिफॉर्म उत्सव' जनभागीदारी से शासन व्यवस्था में सुधार की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आमजन के अनुभवों और सुझावों को आधार बनाकर प्रक्रियाओं को सरल तथा सेवा प्रदायगी को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाया जाए। सभी विभाग ऐसे नीतिगत एवं प्रक्रियागत सुधारों की पहचान करें, जिनसे बड़ी संख्या में नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिले और सरकारी सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान हो।

मुख्य सचिव ने कहा कि रिफॉर्म उत्सव के तहत 'जन मंथन, विमर्श और जन समाधान' की चरणबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से नागरिकों से प्राप्त उपयोगी सुझावों को व्यावहारिक सुधारों में बदला जाएगा। राज्य कार्ययोजना 10 सितंबर तक तैयार कर प्रस्तुत की जाएगी, 11 सितंबर से जन-जागरूकता अभियान शुरू होगा तथा 2 अक्टूबर को प्रदेश की प्रत्येक पंचायत में 'जन मंथन सभा' आयोजित कर आमजन को सुधार प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा।

योजना विभाग रिफॉर्म उत्सव का नोडल विभाग होगा। जिलों के प्रभारी सचिव तैयारियों की नियमित समीक्षा करते हुए केन्द्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों से समन्वय सुनिश्चित करेंगे। युवा मामले विभाग के माध्यम से युवाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य सचिव ने सरकारी प्रक्रियाओं को और सरल बनाने के लिए एकल आवेदन प्रपत्र (सिंगल फॉर्म) विकसित करने की संभावनाओं पर भी कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं की वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित केंद्रीय स्वीकृतियां शीघ्र प्राप्त करने और महत्वपूर्ण योजनाओं के संबंध में डी.ओ. लेटर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय एवं भौतिक प्रगति नियमित रूप से अपडेट करने, उपयोगिता प्रमाण-पत्र समय पर भेजने तथा केन्द्र से स्वीकृति के बाद राज्यांश शीघ्र जारी करने को कहा।

# सरकार ने प्रशासनिक सेवा के 183 अधिकारियों के तबादले किए

जयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के 183 अधिकारियों का मंगलवार को तबादला व पदस्थापन किया गया। राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने यह आदेश जारी किया। आदेश के तहत, मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेषाधिकारी योगेश कुमार श्रीवास्तव को जयपुर स्थित गंगानगर शुगर मिल्स लिमिटेड में महाप्रबंधक पद पर तैनात किया गया है। वहीं राजस्थान आवासन मंडल में उपसचिव डॉ अशोक कुमार अब स्थानीय निकाय विभाग में अतिरिक्त निदेशक होंगे।

कार्मिक विभाग में उपशासन सचिव हरफूल पंकज को अलवर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर पद पर और राजसमंद के अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेश बुनकर को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सीलिंग) न्यायालय पाली पद पर तैनात किया गया है। आदेश में पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे अनेक अधिकारियों को भी तैनाती दी गई है।

# अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर लगी आग, सात लोगों को बचाया

जयपुर। जयपुर के वैशाली नगर इलाके में सोमवार देर रात एक अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल स्थित फ्लैट में आग लग गई। हालांकि, मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने 15 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया और फ्लैट में फंसे एक ही परिवार के सात सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, राजेंद्र नगर में सिरसी रोड स्थित मुस्कान रेजीडेंसी के एक फ्लैट में आग लगी। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस ने बताया कि अपार्टमेंट के अन्य निवासी आग की लपटें देखकर बाहर निकल आए, लेकिन परिवार के सात सदस्य तीसरी मंजिल स्थित फ्लैट में फंस गए। फ्लैट में धुआं भर जाने के कारण उनके लिए बाहर निकलना मुश्किल हो गया था।

# आमेर में हाथी सफारी का आकर्षण घटा, सात साल में पर्यटकों की संख्या 70 प्रतिशत कम

**हाथी सफारी से पर्यटकों के दूर होने के पीछे विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी के साथ उनकी बदलती पसंद भी अहम कारण है। खासकर विदेशी पर्यटकों में पशु कल्याण को लेकर जागरुकता बढ़ी है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले की ऊंची-ऊंची दीवारों और इसके वैभव को निहारते हुए हाथी की पीठ पर सवार होकर किले तक पहुंचना कभी पर्यटकों के सबसे यादगार अनुभवों में से एक हुआ करता था लेकिन अब इस शाही सफर की रौनक धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले सात वर्षों में हाथी की सवारी करने वाले पर्यटकों की संख्या करीब 70 प्रतिशत घट गई है। आमेर महल प्रशासन से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018-19 में जहां 1,64,608 पर्यटकों ने हाथी सफारी का आनंद लिया था वहीं 2025-26 में यह आंकड़ा घटकर 48,474 रह गया।

इसके अनुसार 2019-20 में 1,08,378 पर्यटकों ने हाथी सफारी की थी। कोरोना महामारी के दौरान 2020-21 में यह संख्या घटकर महज 2,922 रह गई। इसके बाद 2021-22 में 9,560, 2022-23 में 54,514, 2023-24 में 79,090, 2024-25 में 67,018 और 2025-26 में 48,474 पर्यटकों ने हाथी सफारी का आनंद लिया। विश्व हाथी दिवस के मौके पर हाथियों के संरक्षण और कल्याण को लेकर जागरुकता बढ़ाए जाने के बीच आमेर के ये आंकड़े पर्यटन की बदलती पसंद की कहानी भी बयां करते हैं। प्रशासन के अनुसार, कोरोना महामारी के बाद पर्यटन गतिविधियां भले ही सामान्य हो गई हों, लेकिन हाथी सफारी की लोकप्रियता पुराने स्तर पर नहीं लौट सकी। वर्ष 2018-19 के मुकाबले 2025-26 में हाथी की सवारी करने वाले पर्यटकों की संख्या में एक लाख से अधिक की कमी दर्ज की गई।

पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि हाथी सफारी से पर्यटकों के दूर होने के पीछे विदेशी पर्यटकों की संख्या में कमी के साथ उनकी बदलती पसंद भी अहम कारण है। खासकर विदेशी पर्यटकों में पशु कल्याण को लेकर जागरुकता बढ़ी है। यही वजह है कि कई पर्यटक जानवरों के इस्तेमाल वाली गतिविधियों के बजाय जीप सफारी और प्रकृति आधारित पर्यटन को तरजीह दे रहे हैं। पर्यटन विशेषज्ञ महेश शर्मा ने कहा कि दुनिया भर में पशु कल्याण को लेकर चलाए जा रहे अभियानों का असर हाथी सफारी पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा, कई अंतरराष्ट्रीय टूर संचालकों और ट्रैवल कंपनियों ने अपनी पशु कल्याण नीतियों के तहत हाथी की सवारी को अपने टूर पैकेज से हटा दिया है। इसका खासा असर विदेशी पर्यटकों के बीच हाथी सफारी की मांग पर पड़ा है।

उन्होंने कहा, देश में राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों और अन्य वन्यजीव पर्यटन स्थलों के बढ़ते विकल्पों ने भी पर्यटकों के सामने कई नयी गतिविधियों का आनंद लेने के रास्ते खोल दिए हैं। पर्यटन विशेषज्ञ अशोक चौधरी ने कहा, पशु कल्याण से जुड़े अंतरराष्ट्रीय अभियानों के कारण कई विदेशी पर्यटक हाथी की सवारी से परहेज कर रहे हैं। कई टूर संचालक भी अपने यात्रा पैकेज में इसे पहले जैसी प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विदेशी पर्यटकों में जीप सफारी और अनुभव आधारित पर्यटन की मांग बढ़ रही है जबकि हाथी सफारी धीरे-धीरे वैकल्पिक गतिविधि बनती जा रही है। चौधरी ने कहा, यूरोपीय देशों की आर्थिक परिस्थितियों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर भी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन पर पड़ा है। इजराइल और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले पर्यटकों की संख्या में कमी का असर जयपुर के पर्यटन कारोबार पर भी पड़ा है।

आमेर में हाथी सफारी को लेकर पिछले कुछ वर्षों में पशु अधिकार संगठनों ने भी विरोध-प्रदर्शन किए हैं।

# पुलिस ने विदेशों में आकर्षक नौकरी की पेशकश को लेकर युवाओं को आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने विदेश में आकर्षक रोजगार या नौकरी की पेशकश के नाम पर होने वाली साइबर ठगी को लेकर युवाओं को आगाह किया और बताया कि अंतरराष्ट्रीय साइबर ठग गिरोह विदेश में नौकरी और मोटी तनख्वाह का झांसा देकर युवाओं को 'साइबर स्लेवरी' यानी डिजिटल गुलामी के जाल में फंसा रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने परामर्श जारी कर युवाओं और उनके परिजनों से ऐसे फर्जी 'जॉब ऑफर' से सावधान रहने की अपील की।

अतिरिक्त महानिदेशक (साइबर अपराध) वी. के. सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय 'स्कैम सिंडिकेट' बेरोजगार और महत्वाकांक्षी युवाओं को कंबोडिया, म्यांमा, लाओस, थाईलैंड सहित दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में आकर्षक वेतन, मुफ्त आवास तथा अन्य सुविधाओं का लालच देकर विदेश ले जाते हैं।

उन्होंने बताया कि वहां पहुंचने के बाद युवाओं के पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज जब्त कर उन्हें बंधक बनाया जाता है और जबरन ऑनलाइन ठगी के काम में लगाया जाता है। सिंह ने एक बयान में बताया कि साइबर अपराधी 'फेसबुक', 'इंस्टाग्राम', 'टेलीग्राम' और 'व्हाटसऐप' पर डेटा एंट्री ऑपरेटर, ग्राहक सहायता, आईटी, होटल में वेटर और 'वर्क फ्रॉम होम' जैसी नौकरियों के आकर्षक विज्ञापन प्रसारित करते हैं।

उन्होंने बताया कि कई बार समाचार पत्रों में भी ऐसे विज्ञापन प्रकाशित किए जाते हैं। अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामलों में युवाओं को बिना पर्याप्त जांच के नौकरी का भरोसा दिलाकर वैध रोजगार वीजा के बजाय पर्यटक वीजा पर विदेश भेज दिया जाता है और गंतव्य देश पहुंचने के बाद एजेंट या गिरोह के सदस्य उनका पासपोर्ट व मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लेते हैं तथा इसके बाद पीड़ितों को ऑनलाइन ठगी के लिए मजबूर किया जाता है।

# गारंटर यह नहीं कह सकता कि पहले कर्जदार से वसूली करो : इलाहाबाद उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि बैंक के लिए यह जरूरी नहीं है कि वह पहले मुख्य कर्जदार से ऋण की पूरी रकम वसूल करे और उसके बाद गारंटर के खिलाफ कार्रवाई करे।

अदालत ने कहा कि भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 128 के तहत गारंटर की देनदारी मुख्य कर्जदार के समान होती है और बैंक कर्जदार व गारंटर दोनों के खिलाफ एक साथ वसूली की कार्रवाई कर सकता है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने विनीत पांडेय व अनूप कुमार मिश्रा की दो याचिकाएं खारिज करते हुए यह आदेश दिया। दोनों याचिकाकर्ताओं ने अपने सहकर्मी विक्रांत दुबे द्वारा लिए गए ऋण के लिए गारंटी दी थी।

दुबे ने वर्ष 2022-23 में उप्र पोस्टल प्राइमरी कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड से 50 हजार रुपये का फेस्टिवल लोन, तीन लाख रुपये का शॉर्ट टर्म लोन और 18 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण लिया था। बैंक ने ऋण की अदायगी में चूक होने पर वसूली की कार्रवाई शुरू की और डाक विभाग को दोनों गारंटरों के वेतन से प्रतिमाह 10 हजार रुपये काटकर बैंक में जमा करने को कहा। गारंटरों ने दलील दी कि बैंक को पहले मुख्य कर्जदार से बकाया वसूलना चाहिए और केवल शेष राशि के लिए गारंटरों से संपर्क किया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं ने कर्जदार और गारंटर दोनों से एक साथ वसूली को अवैध बताया।

उच्च न्यायालय ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि धारा 128 के अनुसार, जब तक गारंटी अनुबंध में इसके विपरीत कोई शर्त न हो, गारंटर की देनदारी मुख्य कर्जदार के समान और सह-विस्तृत होती है। अदालत ने कहा कि ऋणदाता के लिए मुख्य कर्जदार के खिलाफ पहले कार्रवाई करना अनिवार्य नहीं है। खंडपीठ ने कहा कि संबंधित गारंटी अनुबंध में ऐसी कोई शर्त नहीं थी, जिससे गारंटर की देनदारी को बाद के चरण तक टाला गया हो इसलिए बैंक को वेतन से प्रतिमाह 10 हजार रुपये की कटौती कर वसूली करने का अधिकार था।

# लोकसभा में हंगामे के बीच दो विधेयक पारित, कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजकर 25 मिनट पर दिनभर के स्थगित कर दी गई।

हंगामे के बीच ही सदन ने केरल नाम परिवर्तन विधेयक, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा के बिना ध्वनिमत से पारित कर दिया। संसद के मानसून सत्र के चौथे सप्ताह के दूसरे दिन की कार्यवाही भी पिछले तीन सप्ताह की तरह हंगामेदार रही और लगातार 17वें कार्यदिवस को भी सदन में प्रश्नकाल तथा शून्यकाल नहीं चल सके। एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे सदन की बैठक शुरू हुई तो गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया।

विपक्षी दलों के सांसद अयोध्या के राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर सदन में चर्चा और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर गृह मंत्री शाह के जवाब की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे। हंगामे के बीच ही सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को पारित कर दिया। इसके बाद, सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। सदन ने इस विधेयक को भी चर्चा के बिना ध्वनिमत से पारित कर दिया। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाकर बैठने और विधेयकों पर चर्चा में भाग लेने का बार-बार आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''बहुत महत्वपूर्ण विधेयक पारित हो रहे हैं। आप लोग सीट पर जाकर बैठिए।'' तेन्नेटी ने कहा कि विपक्षी सांसदों ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने से संबंधित महत्वपूर्ण विधेयक पर भी नहीं बोला। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, सदन की कार्यवाही 11 बजे शुरू होते ही कांग्रेस और सपा समेत विपक्षी दलों के सदस्य अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग करते हुए हंगामा करने लगे।

# अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के पहले सीईओ की नियुक्ति के लिये अभ्यर्थियों का साक्षात्कार शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या/भाषा।** अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार मंगलवार को शुरू हुआ। ट्रस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक उच्चाधिकारी प्राप्त समिति द्वारा 5200 आवेदकों में से चुने गए 18 उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया जा रहा है और यह प्रक्रिया बुधवार को भी जारी रह सकती है। राम मंदिर से चढ़ावा की चोरी के आरोप सामने आने के बाद ट्रस्ट ने एक पूर्णकालिक सीईओ नियुक्त करने का फैसला किया था।

अधिकारी ने बताया कि सभी 18 उम्मीदवार सोमवार देर रात अयोध्या पहुंचे और ट्रस्ट द्वारा बताई गई जगहों पर ठहरे। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार की यह प्रक्रिया अयोध्या में राम मंदिर के तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के सम्मेलन कक्ष में हो रही है। मंदिर ट्रस्ट के सूत्रों ने बताया कि अगर मंगलवार को सभी उम्मीदवारों के साक्षात्कार पूरे नहीं हुए तो यह प्रक्रिया बुधवार को भी जारी रह सकती है। मंदिर ट्रस्ट के सूत्रों ने बताया कि उम्मीदवार पूर्वाह्न करीब नौ बजे राम मंदिर परिसर पहुंचे और साक्षात्कार की प्रक्रिया पूर्वाह्न 10 बजे शुरू हुई।

सूत्रों ने बताया, ''प्रत्येक उम्मीदवार ने अयोध्या हवाई अड्डे पर अपने आने का कार्यक्रम ट्रस्ट को भेजा था जिसके बाद ट्रस्ट द्वारा उन्हें हवाई अड्डे से अलग-अलग गाड़ियों में अलग-अलग स्थानों पर ले जाया गया।'' उन्होंने कहा, साक्षात्कार राम मंदिर में हो रहा है और उम्मीदवारों को मीडिया से बात न करने का निर्देश दिया गया है।

# सवाल पूछने की आजादी के साथ जवाब सुनने का दायित्व भी तय करता है लोकतंत्र : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों के विरोध-प्रदर्शन और उनके खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जवाब से पहले मंगलवार को कहा कि लोकतंत्र सवाल पूछने की आजादी देता है लेकिन जवाब सुनने का दायित्व भी निर्धारित करता है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लोकतंत्र प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता देता है, तो उत्तर सुनने का दायित्व भी निर्धारित करता है। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह विद्यार्थियों से जुड़े विषय पर सदन में विस्तारपूर्वक अपना पक्ष रखने के लिए पूर्णतः तैयार हैं।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस और समूचे विपक्ष से अपेक्षा है कि तथ्यों का सामना करे, सदन की गरिमा बनाए रखे और उत्तर को पूरा सुने।'' योगी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ''लोकतंत्र में बहस से प्रतिष्ठा बढ़ती है, भागने से नहीं।'' उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी इस मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। मौर्य ने कहा, ''झूठ का तिलिस्म बुनना, निराधार आरोप लगाना और सच सामने आते ही मैदान छोड़कर भाग खड़ा होना, यही राहुल गांधी और कांग्रेस की राजनीति की असलियत है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''कांग्रेस का एक ही उसूल है, झूठ बोलो, शोर मचाओ और जब केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथ्यों के साथ जवाब दें, तो संसद छोड़कर चले जाओ।''

# ध्रुव राठी के मानहानिकारक वीडियो पर भारत में रोक लगा दी गई है : गूगल ने अदालत को बताया

**नई दिल्ली/भाषा।** गूगल ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि उसने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ध्रुव राठी के उस मानहानिकारक यूट्यूब वीडियो पर भारत में रोक लगा दी है, जिससे कथित तौर पर धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। यूट्यूब की मालिक कंपनी गूगल ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के समक्ष वकील अमिता सचदेवा की ओर से दायर याचिका पर यह जानकारी दी। सचदेवा ने दावा किया है कि 21 मार्च को राठी ने एक बेहद अपमानजनक और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील वीडियो प्रकाशित किया था, जिसे यूट्यूब पर लाखों लोगों ने देखा। सचदेवा के अनुसार, वीडियो में भगवान श्री राम, भगवान श्री कृष्ण और देवी सीता को अपमानित करने के लिए झूठी, भ्रामक एवं भड़काऊ बातें कही गईं।

गूगल के वकील ने कहा कि केंद्र सरकार की 'शिकायत अपीलीय समिति' (जीएसी) के आदेशानुसार यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि वीडियो पर केवल भारत में रोक लगाई गई है, क्योंकि इसपर पूरी दुनिया में रोक लगाने का मुद्दा दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के समक्ष लंबित है। सचदेवा ने कहा कि 15 जुलाई को जीएसी ने गूगल को 24 घंटे के अंदर वीडियो हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन गूगल ने केवल भारत में वीडियो पर रोक लगाई, जो केवल आंशिक अनुपालन है। इसपर न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर रोक लगाने का मुद्दा पहले से ही खंडपीठ के समक्ष लंबित है। वे जो कुछ कर सकते थे, उन्होंने कर दिया है।'' अदालत ने मामले की सुनवाई तीन सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी। तीन जुलाई को अदालत ने जीएसी से सचदेवा की उस याचिका पर 15 दिन के भीतर फैसला करने को कहा था, जिसमें कथित आपत्तिजनक वीडियो को हटाने का अनुरोध किया गया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने अदालत के निर्देश के अनुपालन का अनुरोध करते हुए एक आवेदन दायर किया था।

# भाजपा और कांग्रेस की सियासत से दूर रहें 'जेन-जी' : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को छात्रों और 'जेन-जी' से सत्ता पक्ष और विपक्ष की 'साजिशों' से दूर रहने की अपील की। उन्होंने सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर अपने राजनीतिक फायदों के लिए युवाओं के विरोध प्रदर्शनों को 'हाईजैक' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

मायावती ने सरकारी नौकरियों में दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़े वर्गों के आरक्षण की व्यवस्था को कमजोर करके उन्हें गुलाम बनाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग अब इस आरक्षण को 'निष्प्रभावी' बनाने में लगे हैं। मायावती ने दावा किया कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस युवाओं के मुद्दों को हल करने को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर हाल ही में हुआ छात्र और युवा विरोध प्रदर्शन सबसे पहले 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) ने शुरू किया था, लेकिन बाद में कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इसे 'हाईजैक' कर लिया।

# प्रधानमंत्री मोदी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक: माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स'' का बुधवार को विमोचन करेंगे। भारत के 14वें राष्ट्रपति कोविंद 2017 से 2022 तक इस पद पर रहे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि आत्मकथा का विमोचन भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे जाने-माने व्यक्तित्वों में से एक के जीवन और योगदान को याद करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

आत्मकथा में गहराई से कोविंद की शानदार जीवन यात्रा का व्यक्तिगत विवरण मिलेगा जिसमें प्रारंभिक वर्षों से लेकर उनके विशिष्ट सार्वजनिक जीवन और राष्ट्रपति के रूप में उनकी सेवा तक के अनुभव, संघर्षों और सफलताओं का उल्लेख शामिल हैं। यह पुस्तक उन मूल्यों, अनुभवों और परिस्थितियों के बारे में बताती है जिन्होंने कोविंद की जीवन यात्रा और लोक सेवा को आकार दिया।

# कबीर ने हिंदू और मुस्लिम कट्टरपंथ का विरोध किया था : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**संत कबीर नगर/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि ''संत कबीर दास हिंदू रूढ़िवादिता के खिलाफ बोलने के बावजूद हिंदुओं द्वारा पूजनीय थे लेकिन मुसलमानों ने उन्हें उसी तरह स्वीकार नहीं किया। मुख्यमंत्री ने यहां 684 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 201 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, संत कबीर निर्गुण परंपरा से थे। उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ के खिलाफ उतनी ही बात की, जितनी हिंदू कट्टरपंथ के खिलाफ लेकिन हिंदुओं ने उन्हें पूजा, जबकि मुसलमान उन्हें दूर से छूना भी नहीं चाहते थे। यही अंतर है।'' उन्होंने कहा कि संत कबीर ने पाखंड और जातिगत भेदभाव का कड़ा विरोध किया तथा समाज को उन लोगों के खिलाफ आगाह किया, जो उसे बांटना चाहते थे।

आदित्यनाथ ने कहा, संत कबीर दास जी ने पाखंड के खिलाफ लड़ाई शुरू की थी और वह यहां मगहर आए थे। लोगों का मानना था कि मगहर में मरने से व्यक्ति नरक में जाएगा लेकिन उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति के कर्मों पर निर्भर करता है कि उसे मृत्यु के बाद स्वर्ग मिलेगा या नरक। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा सरकारों ने कबीर की विरासत को संरक्षित करने और उनसे संबंधित शोध को बढ़ावा देने के लिए कबीर अकादमी का विकास किया है तथा इसके सौंदर्यीकरण का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज संत कबीर दास जी के नाम पर एक अकादमी के साथ-साथ एक सभागार बनाया जा रहा है और साथ ही हम बाबा तामेश्वरनाथ धाम के लिए एक कॉरिडोर के निर्माण पर भी काम कर रहे हैं।'' बदलता संत कबीर नगर, बदलते उत्तर प्रदेश को दर्शाता है। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा की सरकारों के भ्रष्टाचार के कारण जिले में एक कताई मिल बंद हो गई थी लेकिन अब इसे फिर से शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। उन्होंने मस्तिष्क ज्वर को लेकर दोनों दलों पर निशाना साधते हुए कहा, ''यह क्षेत्र एन्सेफलाइटिस से त्रस्त था। लोग मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित थे, लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इसके बारे में कुछ नहीं कर सकीं। मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद हमने एन्सेफलाइटिस को पूरी तरह से खत्म कर दिया है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि विकास तभी संभव है, जब सरकार लोगों की आस्था का सम्मान करे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने छात्रवृत्ति, नौकरियों और किसानों के लिए बनाई गई योजनाओं में भ्रष्टाचार किया था।

## उप्र के मुख्यमंत्री ने दी श्रावण शिवरात्रि की बधाई

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को श्रावण महीने में शिवरात्रि के मौके पर राज्य के लोगों को बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, देवाधिदेव महादेव की आराधना को समर्पित पावन श्रावण शिवरात्रि की समस्त शिवभक्तों व प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, भगवान भोलेनाथ की असीम कृपा से प्रत्येक नागरिक का जीवन सुख, शांति, समृद्धि, आरोग्य और यश से आलोकित हो तथा सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों, यही प्रार्थना है। हर हर महादेव! उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी सभी को श्रावण मास की शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

# खराब मौसम के कारण बंगाल के मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर आपात स्थिति में कोलाघाट में उतरा

**कोलकाता/भाषा।** खराब मौसम के कारण मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के हेलीकॉप्टर को पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कोलाघाट में आपात स्थिति में उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से पश्चिम मेदिनीपुर जिले में अपने गंतव्य स्थल केशपुर के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री केइन जिलों में कई कार्यक्रमों में शामिल होने की संभावना है। केशपुर में शुभेंदु अधिकारी स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद एक जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री बांकुड़ा जिले के लिए रवाना होंगे, जहां उनका एक प्रशासनिक बैठक में शामिल होने का कार्यक्रम है। यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि शुभेंदु अधिकारी बांकुड़ा तक की आगे की यात्रा सड़क मार्ग से करेंगे या हवाई मार्ग से।

# तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी को राहत : उच्च न्यायालय ने 31 अगस्त तक गिरफ्तारी पर रोक बढ़ाई

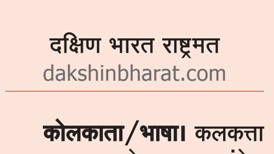

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ लंबित तीन आपराधिक कार्यवाहियों में उन्हें गिरफ्तारी से दी गई अंतरिम राहत मंगलवार को 31 अगस्त तक बढ़ा दी। अदालत ने बनर्जी के खिलाफ दर्ज तीन प्राथमिकियों को रद्द करने संबंधी उनकी याचिका पर अपना अंतिम आदेश पारित करने के लिए 25 अगस्त की तारीख निर्धारित की है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने डायमंड हार्बर के सांसद को दी गई अंतरिम राहत 31 अगस्त तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दी।

अदालत ने शिकायतकर्ता की इस दलील को स्वीकार करने से मना कर दिया कि बनर्जी ''अत्यधिक प्रभावशाली'' हैं और उन्हें अंतरिम राहत देने से जांच एवं मुकदमा प्रभावित होगा। अदालत ने कहा कि सत्तारूढ़ व्यवस्था में बदलाव के बाद पश्चिम बंगाल में स्थिति बदल गई है। न्यायमूर्ति भट्टाचार्य ने भवानीपुर में 27 मई, कालीतल्ला और बिष्णुपुर में 16 जून को दर्ज तीन प्राथमिकियों के संबंध में बनर्जी को 17 अगस्त तक अंतरिम राहत दी थी।

बनर्जी के वकील के आवेदन पर अदालत ने पुलिस अधिकारियों को डायमंड हार्बर सांसद के खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकियों की प्रतियां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। राज्य सरकार ने छह अगस्त को अदालत को अवगत कराया था कि विभिन्न आरोपों को लेकर राज्य भर के विभिन्न थानों में बनर्जी के खिलाफ कुल 16 प्राथमिकी लंबित हैं। शिकायतकर्ता अभिजीत दास के वकील जयंत नारायण चटर्जी ने अंतरिम राहत के अनुरोध का विरोध करते हुए दावा किया कि बनर्जी ''अत्यधिक प्रभावशाली'' हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि याचिकाकर्ता को हिरासत में नहीं लिया गया, तो गवाहों को डराया-धमकाया जाएगा और उन्हें अदालतों के सामने गवाही देने से रोका जाएगा।

# खरगे को बोलने की अनुमति नहीं मिलने पर 'इंडि' गठबंधन के दलों का राज्यसभा से बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के दलों ने मंगलवार को दोपहर बाद राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को उपसभापति हरिवंश द्वारा बोलने की अनुमति नहीं दिए जाने पर विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन किया। जब विपक्षी दलों के सदस्यों ने बहिर्गमन किया तब उच्च सदन में 'न्यायाधिकरण सुधार विधेयक, 2026' पर चर्चा हो रही थी।

विपक्षी दल लगातार मांग कर रहे हैं कि पिछले महीने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस के बल प्रयोग के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह सदन में बयान दें। इसके अलावा विपक्ष अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी का मुद्दा भी उठा रहा है। मंगलवार को भोजनावकाश से पहले इन्हीं मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी थी। दोपहर दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच न्यायाधिकरण सुधार विधेयक पर चर्चा शुरू हुई। उपसभापति हरिवंश ने सदस्यों से केवल विधेयक से जुड़े विषय पर बोलने का आग्रह किया और शुरुआत में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने ''नेता प्रतिपक्ष को बोलने दो'' के नारे लगाए और हंगामा किया। शोर-गुल के बीच विधेयक पर चर्चा शुरू हुई। विपक्षी सांसदों ने व्यवस्था के प्रश्न उठाने का प्रयास किया और गृह मंत्री अमित शाह के सदन में आने की मांग की तथा राम मंदिर चंदे की कथित चोरी को लेकर नारे लगाए।

हरिवंश ने खरगे को बोलने की अनुमति दी, लेकिन उन्हें सदन में चल रहे कार्य यानी विधेयक पर ही अपनी बात रखने को कहा। खरगे ने राम मंदिर मुद्दे पर बोलने का प्रयास किया, लेकिन आसन ने इसकी अनुमति नहीं दी।

# धर्म बदलने की वजह से बंधक बनाई गई दो बहनों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

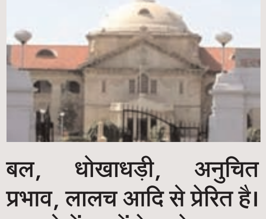

**प्रयागराज/भाषा।** इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दो हिंदू युवतियों के इस्लाम अपनाने की वजह से बंधक बनाकर रखने के आरोपी पिता और राज्य सरकार को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति संदीप जैन ने दिया भाटिया उर्फ जोया दिया भाटिया (20) और अंशु भाटिया उर्फ अमीना अंशु भाटिया (35) से जुड़ी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। छह अगस्त को पीठ के समक्ष पेश हुई दोनों बहनों ने बताया कि उन्होंने स्वेच्छा से इस्लाम स्वीकार किया है। अंशु ने 2020 में और दिया ने 2021 में इस्लाम अपनाया। उन्होंने इस बात से साफ इनकार किया कि उनका निर्णय किसी बल, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, लालच आदि से प्रेरित है।

दोनों बहनों ने आरोप लगाया कि धर्म परिवर्तन के कारण पिता ने उन्हें घर में बंधक बनाकर रखा था। दोनों युवतियों से बातचीत के बाद अदालत ने पाया कि इनके जवाब सहज, सुसंगत और स्पष्ट थे और कहीं से भी ऐसा संकेत नहीं मिला कि इनमें से किसी ने भी दबाव, डर, लालच या अनुचित प्रभाव में आकर धर्म परिवर्तन का निर्णय किया है।

अदालत ने कहा कि दोनों युवती बालिग हैं और उन्हें अपने जीवन से जुड़े निर्णय करने का पूर्ण कानूनी अधिकार है। अदालत ने कहा, जब एक व्यक्ति कानूनन बालिग हो जाता है तो संविधान उसे आस्था, आवास, जुड़ने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रत्येक पहलू पर निर्णय करने का अधिकार देता है। इसमें ना तो ही राज्य और ना ही परिवार हस्तक्षेप कर सकता है। राज्य सरकार ने इस याचिका का यह कहते हुए विरोध किया था कि इन युवतियों के पिता ने बलपूर्वक और धोखे से धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसने दलील दी कि कथित धर्मांतरण एक बड़े संगठित षडयंत्र का हिस्सा है जिसका भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता पर असर होगा। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि उक्त प्राथमिकी में जांच कानून के मुताबिक सख्ती से की जाए और मामले की जांच उसकी टिप्पणियों से अप्रभावित रहेगी। अदालत ने स्पष्ट रूप से पाया कि इन युवतियों को उनके पिता के घर में गैर कानूनी रूप से कैद रखा गया था।

## सुविचार

**सफलता भाग्य से नहीं, निरंतर प्रयास से मिलती है। हर दिन बेहतर बनने का प्रयास करें, हार से सीखें, और आगे बढ़ते रहें।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# सरकारी स्कूलों की चिंता या कोरा दिखावा?

इन दिनों कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों को देश में सरकारी स्कूलों और शिक्षा की स्थिति की बहुत चिंता हो रही है। यह चिंता हर विचारशील मनुष्य को होती है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को भी हो रही है, जिन्होंने गांवों में सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए देशव्यापी अभियान की घोषणा की है। हाल में कांग्रेस ने अपने फेसबुक पेज पर यह कहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तीखे सवाल पूछे थे कि देश में रोजाना 25 सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं! ऐसे में यह कहना बिल्कुल गलत नहीं होगा कि सरकारी स्कूलों की चिंता करते हुए कांग्रेस खुद को अकेली न समझे। अभिजीत दीपके दोबारा मोर्चा संभालने आ रहे हैं। सवाल है– क्या सरकारी स्कूलों की दशा रातोंरात बिगड़ गई? जिन राज्यों में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों की सरकारें हैं, क्या वहां सरकारी स्कूल अमेरिका, सिंगापुर, चीन, जापान और जर्मनी के स्कूलों को टक्कर दे रहे हैं? कांग्रेस के पास सुनहरा मौका है। वह हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के सरकारी स्कूलों को शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में ऐसा बना दे कि दुनिया देखे तो वाह–वाह करे। इनमें इतनी सुविधाएं दे कि उक्त देशों के बच्चे अपने नाम कटवाकर यहां दाखिला लेने के लिए कतारों में खड़े नजर आएं। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले एक दशक में कई सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। वे बंद क्यों हुए हैं, इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का स्तर इतना गिर गया कि लोग अपने बच्चों को इनमें भेजना नहीं चाहते हैं। कई सरकारी शिक्षक ऐसे हैं जो हर महीने मोटा वेतन लेते हैं, सरकारी स्कूलों के उत्थान को लेकर बड़े–बड़े भाषण देते हैं, शिक्षा में सुधार की बातें करते हैं, विद्यार्थियों को कथनी–करनी एक रखने का उपदेश देते हैं, लेकिन अपने बच्चों को निजी स्कूलों में भेजते हैं।

कमोबेश यही रवैया राजनेताओं का है। जो नेतागण सरकारी स्कूलों के लिए खुद को इतने फिक्रमंद दिखा रहे हैं, जरा यह बताएं कि उनके बच्चे कहां पढ़ते हैं/थे? आज कितने सांसद और विधायक ऐसे हैं, जो अपने निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ने भेजते हैं? यह सवाल सिर्फ कांग्रेस के नेताओं से नहीं है, बल्कि सभी दलों के नेताओं से है। ज्यादातर नेताओं के बच्चे निजी स्कूलों में जाते हैं। कितने ही नेता ऐसे हैं, जो संसद और विधानसभा में अपनी सरकारों का गुणगान करते हुए बताते हैं कि हमने इतने शानदार स्कूल और कॉलेज बना दिए, जबकि उनके बच्चे विदेश रहते हैं, वहीं पढ़ते हैं। अगर सरकारों ने वास्तव में अपने स्कूलों–कॉलेजों में बहुत सुधार कर दिए तो इनका फायदा सिर्फ मजदूर, किसान और आम इन्सान के बच्चों तक सीमित क्यों रहना चाहिए? सांसदों, विधायकों, सरकारी अधिकारियों के बच्चों को भी फायदा मिलना चाहिए! उनके साथ यह भेदभाव नहीं होना चाहिए। दिल्ली में जंतर–मंतर पर जो लोग जेन जी को उसका हक दिलाने के लिए क्रांतिकारी नारे लगा रहे थे, उनके परिवारों के कितने बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं? जो युवा वहां इकट्ठे हुए थे, उनमें से कितने सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी रहे हैं? अगर इन सवालों के जवाब ढूंढ़ेंगे तो इस सवाल तक जरूर पहुंचेंगे– सरकारी नौकरी सबको चाहिए, लेकिन सरकारी स्कूल किसको चाहिए? जब लोगों की आर्थिक स्थिति थोड़ी–सी बेहतर हो जाती है तो वे निजी स्कूलों को प्राथमिकता देते हैं। कुछ अपवाद जरूर हो सकते हैं। उनके आधार पर सबके लिए राय नहीं बनाई जा सकती। सरकारी स्कूलों की चौतरफा उपेक्षा की गई, जिसका नतीजा आज सबके सामने है। इन स्कूलों को बंद करने के बजाय बेहतर बनाना चाहिए। इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों–कर्मचारियों, खासकर सरकारी शिक्षकों के लिए अपने क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में ही अपने बच्चों को पढ़ाना अनिवार्य होना चाहिए। इसके लिए सरकार को कानूनी रास्ते तलाशने चाहिएं। इस एक उपाय से देश के हजारों सरकारी स्कूलों की दशा सुधर जाएगी।

## ट्वीटर टॉक

भगवान शिव की भक्ति के साथ, पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। महादेव की पूजा हमें संयम, सत्य और कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। मेरी प्रार्थना है कि देवों के देव सभी के जीवन को मंगलमय बनाएं ।

**–ओम बिरला**

इतिहास डॉ. मनमोहन सिंह को भारत के सबसे अहम और ईमानदार प्रधानमंत्रियों में से एक के तौर पर याद रखेगा।द इंडियन एक्सप्रेस में सोनिया गांधी का आर्टिकल उस सच को बयां करता है जिसे कई लोगों ने नज़रअंदाज़ करना चुना।

**–अशोक गहलोत**

सभी राज्यवासियों को पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं।ङ्कङ्कदेवों के देव महादेव की पूजा और भक्ति से भरा यह पवित्र अवसर सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और अच्छी सेहत लाए।

**–दिया कुमारी**

## प्रेरक प्रसंग

# सृजन श्रम का सम्मान

हिंदी साहित्य के शिखर पुरुष मुंशी प्रेमचंद स्वयं जीवन भर आर्थिक तंगी से जूझते रहे। उनका अपना प्रेस 'सरस्वती प्रेस' घाटे में चलता था और वे अक्सर कर्ज में डूबे रहते थे। इसके बावजूद जब उन्होंने पत्रिका 'हंस' का संपादन शुरू किया, तो उन्होंने एक सिद्धांत तय कियापत्रिका में लिखने वाले हर लेखक को समय पर और उचित मानदेय दिया जाएगा, चाहे पत्रिका को कितना भी आर्थिक नुकसान क्यों न उठाना पड़े। उस दौर में अधिकांश प्रकाशक नए और अनजान लेखकों से मुफ्त में या बेहद कम पैसों में रचनाएं ले लेते थे, यह मानकर कि छपना ही सम्मान है, पैसा नहीं चाहिए। प्रेमचंद इस प्रवृत्ति के सख्त विरोधी थे। वे मानते थे कि लेखन भी श्रम है और श्रम का मूल्य मिलना लेखक का अधिकार है, भीख नहीं। इसी सोच को उन्होंने 1936 में लखनऊ में हुई प्रगतिशील लेखक संघ की पहली बैठक के अपने अध्यक्षीय भाषण में भी रखा, जिसमें उन्होंने साहित्य को समाज की सेवा का माध्यम बताते हुए यह भी स्पष्ट किया कि लेखक की आर्थिक गरिमा की रक्षा करना समाज और प्रकाशकों दोनों का दायित्व है।

## सामयिक

# छात्र आंदोलनों में लोगों का दोहरा मापदंड क्यों?

**महेन्द्र तिवारी**

राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर जब देश भर के छात्रों की आवाज गूंज रही थी, तब पूरे भारत में शिक्षा व्यवस्था की खामियों, परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और कथित रूप से प्रश्नपत्र के अवैध तरीके से सार्वजनिक होने को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई थी। उस समय दिल्ली में चले उस आंदोलन ने बहुत जल्द राष्ट्रीय विमर्श का रूप ले लिया था। सत्ता के गलियारों से सीधे और तीखे सवाल पूछे गए, शिक्षा व्यवस्था की पूरी जवाबदेही तय करने की मांग उठी और देश के भविष्य को लेकर बड़े और आदर्शवादी बयान सामने आए। उस आंदोलन के समर्थन में देश के कई नामी, प्रतिष्ठित और प्रभावशाली चेहरे भी दिखाई दिए, जिन्होंने छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का दावा किया। समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठों से लेकर हर वैचारिक मंच पर केवल युवाओं के अधिकारों की बात हो रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा देश छात्रों के दर्द को अपना दर्द मान चुका है। लेकिन आज जब वही सवाल, वैसी ही विसंगतियां और वैसा ही दर्द रांची की सड़कों पर खुले आसमान के नीचे खड़ा है, तो वह राष्ट्रीय आक्रोश कहीं खोया हुआ सा लगता है। झारखंड की राजधानी रांची में राज्य लोक सेवा आयोग और राज्य कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्र बहुत लंबे समय से कड़ाके की ठंड और तमाम प्रशासनिक दुश्वारियों के बीच लगातार आंदोलन कर रहे हैं। उनका यह संघर्ष 17 दिनों का लंबा सफर तय कर चुका है। राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और छात्रों के बीच बातचीत के कई दौर भी आयोजित हुए हैं, लेकिन विवाद पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सका है और छात्रों का गहरा असंतोष जस का तस बना हुआ है। झारखंड जैसे राज्य में जहां अधिकतर छात्र ग्रामीण और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं, उनके लिए सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं बल्कि पूरे परिवार के सामाजिक और आर्थिक उत्थान का एकमात्र साधन होती है।

ऐसे गंभीर समय में यह सवाल उठना पूरी तरह से स्वाभाविक है कि राजधानी दिल्ली में छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अपनी आवाज बुलंद करने वाले वे तमाम नामी लोग और विचारक अब कहां छिपे हैं? क्या किसी छात्र की पीड़ा और उसका दर्द दिल्ली की सीमा समाप्त होते ही अचानक से कम हो जाता है? क्या परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता का सवाल केवल देश की राजधानी में ही अधिक महत्वपूर्ण होता है और रांची या किसी अन्य प्रांतीय शहर तक पहुंचते ही उसका महत्व पूरी तरह से शून्य हो जाता है? यह एक ऐसा कड़वा विरोधाभास है जो हमारी बौद्धिक और सामाजिक चेतना पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। प्रसिद्ध अभिनेता पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंचकर इस पूरी बहस को एक नई और अत्यंत तीखी धार दे दी है। उन्होंने रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों के बीच जाकर न केवल उनका खुला समर्थन किया, बल्कि दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की एक पुरानी टिप्पणी के संदर्भ में बहुत ही तीखा कटाक्ष भी किया।

अभिनेता की भाषा, उनके तेवर और उनके शब्दों के चयन पर अलग से एक लंबी बहस हो सकती है और शायद एक स्वस्थ व लोकतांत्रिक समाज में यह बहस होनी भी चाहिए। लेकिन उन्होंने जिस मूल सवाल को पूरे देश के सामने लाकर खड़ा कर दिया है, उसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अब यह सवाल केवल इस बात तक सीमित नहीं रह गया है कि कौन सा अभिनेता या कौन सा प्रसिद्ध चेहरा किस वैचारिक गुट के साथ खड़ा है। असल और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश में छात्र आंदोलन भी अब केवल किसी राजनीतिक सुविधा का विषय बन गए हैं? क्या अब केवल यह देखा जाएगा कि सत्ता के सिंहासन पर कौन बैठा है और उसी के आधार पर यह तय होगा कि किस राज्य के छात्र के लिए आंसू बहाने हैं और किस राज्य के छात्र को उसके हाल पर बेसहारा छोड़ देना है?

जब दिल्ली में आंदोलन सत्ता के शीर्ष केंद्र के ठीक सामने हो रहा था, तब उसकी गूंज राष्ट्रीय समाचार माध्यमों तक बहुत आसानी से और तेज गति से पहुंच गई थी। हर तरफ निरंतर चर्चा हो रही थी। लेकिन हमें यह बिल्कुल नहीं भूलना चाहिए कि रांची के छात्र भी इसी देश के उतने ही महत्वपूर्ण नागरिक हैं। वे भी अपने जीवन के कई बहुमूल्य वर्ष छोटी छोटी कोठरियों में बंद रहकर पढ़ाई करते हुए गुजारते हैं। वे भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में अपना खून पसीना एक करते हैं। उनके माता पिता भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक एक पैसा, और कई बार तो कर्ज लेकर भी, अपने बच्चों के भविष्य को संवारने में लगाते हैं। यदि उन्हें अपनी परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपात या धांधली दिखाई देती है, तो उनके सवालों का और उनके आक्रोश का महत्व दिल्ली के छात्रों के आक्रोश से एक प्रतिशत भी कम कैसे आंका जा सकता है? अन्याय का पैमाना भौगोलिक स्थान के आधार पर नहीं बदला जा सकता।

यहां दिल्ली के आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठन और उसके संयोजक अभिजीत दिपके को लेकर भी कई सामाजिक मंचों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ आलोचकों का कहना है कि वे रांची के मुद्दे पर मौन साधे हुए हैं। लेकिन उपलब्ध ताजा सूचनाएं और जमीनी तथ्य स्पष्ट रूप से बताते हैं कि वे पूरी तरह से चुप नहीं बैठे हैं। उन्होंने रांची के छात्रों के समर्थन में सार्वजनिक रूप से अपनी एकजुटता जताई है और उनके संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल भी स्थिति का जायजा लेने तथा समर्थन देने के लिए रांची पहुंच चुका है। इसलिए बिना पूरे तथ्य जाने केवल यह कह देना कि वे पूरी तरह से गायब हो गए हैं या उन्होंने इस प्रांतीय मुद्दे से अपनी आंखें मूंद ली हैं, पूरी तरह से न्यायसंगत नहीं होगा। फिर भी एक बहुत बड़ा और समाज को चुभने वाला प्रश्न हमारे सामने खड़ा रहता है। दिल्ली के आंदोलन में जिस आक्रामकता, व्यापक दृश्यता और राष्ट्रीय स्तर की लामबंदी का अभूतपूर्व प्रदर्शन देखने को मिला था, क्या वही ऊर्जा और वही उत्साह रांची के छात्रों के लिए भी दिखाई दे रहा है?

यदि इसका उत्तर नहीं है, तो हमें रुककर इसके मूल कारणों पर बहुत गहराई से विचार करना होगा। यहीं से यह सवाल भी जन्म लेता है कि क्या दिल्ली का वह चर्चित आंदोलन किसी विशेष राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित था या क्या यह कोई षड्यंत्र था? लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में षड्यंत्र का आरोप हमेशा ठोस प्रमाण मांगता है। केवल किसी आंदोलन की तीव्रता में अंतर होने या किसी प्रसिद्ध चेहरे की अनुपस्थिति को सीधे तौर पर किसी बड़े षड्यंत्र का अकाट्य प्रमाण मान लेना सर्वथा अनुचित होगा। लोकतांत्रिक विमर्श में किसी की नीयत पर संदेह अवश्य किया जा सकता है, व्यवस्था से कड़े सवाल भी पूछे जा सकते हैं, लेकिन अंतिम निष्कर्ष हमेशा तथ्यों और ठोस सबूतों के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। छात्रों का दर्द न तो किसी सत्ताधारी दल की बपौती हो सकता है, न ही किसी विपक्षी दल की जागीर है और न ही किसी अन्य क्षेत्रीय दल का राजनीतिक हथियार हो सकता है। यह विशुद्ध रूप से भारत के युवाओं का और देश के भविष्य का दर्द है।

परीक्षा चाहे राष्ट्रीय स्तर की हो या राज्य स्तर की, न्याय की गुहार और अन्याय का पैमाना पूरे देश में एक समान होना चाहिए। किसी भी युवा के साथ उसकी भौगोलिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसलिए आज यह सवाल उन तमाम नामी हस्तियों, साहित्यकारों, अभिनेताओं और विचारकों से भी है जो दिल्ली में छात्रों की बुलंद आवाज बन रहे थे। यह सवाल उन सभी राजनीतिक शक्तियों से भी है जो अपनी सुविधा और अपने चुनावी गणित के अनुसार छात्र आंदोलनों को अपना समर्थन देते हुए दिखाई देते हैं। देश के छात्रों को किसी के उपकार या झूठी सहानुभूति की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल एक निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली, एक पारदर्शी व्यवस्था तथा अपने भविष्य के प्रति सच्चा न्याय चाहिए।

यदि कोई आंदोलन सचमुच छात्रों के कल्याण के लिए है, तो उसकी अग्नि का ताप देश की राजधानी दिल्ली से लेकर झारखंड की राजधानी रांची तक बिल्कुल एक समान होना चाहिए। वरना आने वाली पीढ़ियां इतिहास के पन्नों में यही सवाल पूछेंगी कि क्या उस दौर में उठी आवाजें वास्तव में छात्रों के उज्वल भविष्य के लिए उठी थीं, या फिर वे केवल किसी खास राजनीतिक मौसम का फायदा उठाने के लिए रची गई एक सुविधाजनक पटकथा का हिस्सा मात्र थीं।

## नजरिया

# युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

**ललित गर्ग**

**मोबाइल : 9811051133**

**आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें।**

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है–'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख–शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं।

दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति–निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति–निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह–निर्माता बनाना होगा।

युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें।

आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है।आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय–समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग–अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है।

इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें–अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें। क्योंकि राष्ट्र का भविष्य केवल संसदों, सरकारी कार्यालयों या योजनाओं की फाइलों में नहीं लिखा जाता, वह युवाओं की आँखों में पल रहे सपनों में लिखा जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# आईटीआई लि. और एयरटेल बिज़नेस ने रणनीतिक साझेदारी की

## देश में 'डिजिटल बदलाव' को तेज़ करने के लिए मिलाया हाथ

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। आईटीआई लिमिटेड और एयरटेल बिज़नेस ने एक रणनीतिक साझेदारी की है। इसका मकसद भारत में कंपनियों को उनके डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में तेज़ी लाने और वृद्धि, मज़बूती और इनोवेशन के नए मौके खोजने में मदद करना है। देशभर की कंपनियां डिजिटल विकास और तरक्की के साथ अपने डिजिटलीकरण को आगे बढ़ा रही हैं। यह सहयोग आईटीआई लि. और एयरटेल बिज़नेस की खूबियों और इंजीनियरिंग में बेहतरीन क्षमता को एकसाथ लाएगा। इससे सिस्टम को आधुनिक बनाने, कामकाज की क्षमता बेहतर करने, सुरक्षा मजबूत करने और बिज़नेस की बदलती ज़रूरतों पर तेज़ी से प्रतिक्रिया देने में मदद मिलेगी।

यह साझेदारी एंटरप्राइज़ कनेक्टिविटी, डेटा सेंटर और सॉवरेन क्लाउड सर्विसेज़, आईओटी, एआई-पावर्ड सॉल्यूशंस, लियो सैटेलाइट सर्विसेज़, साइबर सिक्योरिटी और अन्य क्षेत्रों में भविष्य के लिए तैयार और स्केलेबल डिजिटल सॉल्यूशंस के एक इंटीग्रेटेड सेट के ज़रिए पुरानी जटिलताओं से उबरने, डिजिटल क्षमता को मज़बूत करने और विकास के नए अवसरों को पाने के लिए भविष्य के अनुकूल तैयारी करने में सक्षम बनाएगी। आईटीआई लि. के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'इस खास मौके पर हम बहुत उत्साहित हैं, क्योंकि आईटीआई लि. और भारती एयरटेल लि. ने अपने ग्राहकों को अत्याधुनिक सेवाएं और समाधान देने के लिए यह एमओयू किया है।'

उन्होंने कहा, 'यह सहयोग दोनों संगठनों की बिज़नेस ओरिएंटेशन, ग्राहकों तक पहुंच और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं जैसी एक-दूसरे की खूबियों का इस्तेमाल करते हुए, ग्राहकों की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, हर जगह मौजूद और तेज़ कनेक्टिविटी, हाइपर-स्केल डेटा सेंटर, साइबर-सिक्योरिटी समाधान, आईओटी और कई ज़रूरतों की संयुक्त रूप से पहचान करने और उन्हें पूरा करने का रास्ता साफ़ करेगा।' एयरटेल बिज़नेस के सीईओ शरत सिन्हा ने कहा, 'जैसे-जैसे भारत डिजिटल विकास के अगले चरण की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है, एक ऐसा आधार तैयार करना ज़रूरी है जो मज़बूत और सुरक्षित हो, और सभी नियमों का पालन करता हो।' उन्होंने कहा, 'देशभर की कंपनियों के भरोसेमंद साझेदार के तौर पर एयरटेल बिज़नेस ने लगातार उनकी मुश्किलों को आसान बनाने, पुराने सिस्टम को बदलने और बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण को अपनाने में मदद की है। आज हमें आईटीआई लि. के साथ साझेदारी करते हुए खुशी हो रही है। हमारा साझा लक्ष्य ऐसे तकनीकी समाधान करना है जो भविष्य के लिए तैयार हों, बिज़नेस की निरंतरता को मज़बूत करें, इनोवेशन को बढ़ावा दें और भारत के सुरक्षित डिजिटल-फ़र्स्ट भविष्य में सहयोग दें।'

### तिरंगा यात्रा

01-गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे, जल संसाधन मंत्री सुभाष शिरोडकर, सिओलिम विधायक डेलिलाह लोबो और मयेम विधायक प्रेमेंद्र शेट ने छात्रों एवं स्थानीय निवासियों के साथ 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित 'तिरंगा यात्रा' में भाग लिया।

# शिल्पा शेट्टी ने शेयर किया योग का वीडियो, कहा-आसान लगे तो करके दिखाइए

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी हेल्दी लाइफस्टाइल को काफी जोर देती है और सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को भी इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती रहती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए अपने एक बार फिर योगा के प्रति मोटिवेट करने की कोशिश की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की।

इसमें वे बद्ध मलासना करती नजर आ रही हैं। वीडियो अभिनेत्री शांति से फोकस करते हुए बद्ध मलासना कर रही हैं। वीडियो पोस्ट कर शिल्पा ने लिखा, अगर ये करने में मुश्किल लग रहा है तो समझो आपका शरीर आपसे कुछ कहना चाह रहा है और अगर आसान लग रहा है तो करके देखो, क्योंकि ये आसान नहीं है। उन्होंने आगे लिखा, अब बारी है अपनी सैक्रोइलियक जोड़, पैल्विक की मांसपेशियों, घुटनों और टखनों की फ्लैक्सिबिलिटी बढ़ाने की। चलो देखते हैं कि कितने लोग ये चैलेंज कर पाते हैं। शिल्पा शेट्टी द्वारा किए गए पोज का नाम बद्धा मलासन है, जिसे अंग्रेजी में बाउंड गार्लैंड पोज कहते हैं। यह योग की एक गहरी मुद्रा है, जो सामान्य मलासन का उन्नत रूप है जिसमें हाथों को पैरों के चारों ओर लपेटकर बंधी हुई स्थिति बनाई जाती है। य

ह कूल्हों को खोलने, रीढ़ को मजबूत करने और पाचन अंगों की मालिश करने के लिए बहुत उपयोगी है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की बात करें, तो वे हाल ही में फिल्म 'केडी – द डेविल' में नजर आईं थी। फिल्म को कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम समेत कई भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज किया गया था। यह फिल्म 1970 और 1980 के दशक के बेंगलुरु की सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें शिल्पा शेट्टी ने 'सत्यवती' नाम का एक दमदार और रेट्रो किरदार निभाया है। फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, रेशमा नानैया, जीशु सेनगुप्ता और नोरा फतेही भी थीं। फिल्म का संगीत अर्जुन जन्या ने बनाया था, जबकि सिनेमैटोग्राफी और एडिटिंग विलियम डेविड और संकेत अचार ने की थी।

# जलवायु परिवर्तन होने से हिमालय में अत्यधिक बारिश हो रही, मानवीय गतिविधियों से जोखिम बढ़ रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालयी क्षेत्र में अत्यधिक बारिश हो रही है, जबकि मानवीय गतिविधियों से जुड़े कारक आपदा के जोखिम को और बढ़ा रहे हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उनसे यह प्रश्न पूछा गया था कि क्या जलवायु परिवर्तन और अवैज्ञानिक निर्माण गतिविधियां हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाओं और अन्य आपदाओं के बढ़ने में भूमिका निभा रही हैं। राय ने कहा कि बहु क्षेत्रीय केंद्रीय दल के एक अध्ययन के अनुसार, इस इलाके में बढ़ते जोखिम के लिए मानवीय गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं।

मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़ आने, भूस्खलन और अत्यधिक बारिश की घटनाओं के बढ़ते मामलों और उनकी तीव्रता को देखते हुए इस दल का गठन किया था। इस दल को राज्य में मौसम की चरम घटनाओं के बढ़ने के कारणों का वैज्ञानिक आकलन करने का काम सौंपा गया है।

# अजय देवगन करेंगे 'क्राइम पेट्रोल 2026' की मेजबानी, 31 से होगा प्रसारण

मुंबई/भाषा। अभिनेता अजय देवगन सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के बहुचर्चित शो 'क्राइम पेट्रोल' के नए सीजन में मेजबान (होस्ट) की भूमिका संभालने जा रहे हैं। इस सीजन का प्रीमियर 31 अगस्त को होगा।

'क्राइम पेट्रोल 2026 – क्राइम का करेंट सीजन' नाम से आने वाला यह शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर रात 10:30 बजे प्रसारित होगा और सोनी लिव पर भी स्ट्रीम किया जाएगा। हाल ही में जारी किए गए प्रोमो में अभिनेता दर्शकों से सीधे संवाद करते नजर आते हैं। वह उनसे डर के साये में रहने के बजाय अपराध की वास्तविकताओं के बीच अधिक सतर्क रहने की अपील करते हैं।

# पीओके चुनाव : दो पूर्व 'प्रधानमंत्री' हारे, पीएमएल-एन बनाएगी सरकार

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हुए चुनाव के तीसरे चरण में दो पूर्व तथाकथित प्रधानमंत्रियों को अपने गढ़ में हार का सामना करना पड़ा है। मंगलवार को जारी अनौपचारिक नतीजों से यह जानकारी मिली। हिंसा और धांधली के आरोपों के बीच संपन्न हुए इन चुनावों में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के फैसल मुमताज राठौड़ अपनी सीट बचाने में सफल रहे, जो वर्तमान में इस क्षेत्र के शीर्ष नेता हैं। अनौपचारिक परिणामों के अनुसार, पीपीपी ने दो सीट जीती हैं, जबकि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और अवामी दस्त-ओ-बाजू पार्टी को एक-एक सीट मिली है।

सोमवार को समाप्त हुए तीसरे चरण में 11 में से चार निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ। कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते बाकी सात सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया। पीओके की तथाकथित विधानसभा के पहले और दूसरे चरण के चुनाव क्रमशः 27 जुलाई और दो अगस्त को हुए थे, जिनमें बड़े पैमाने पर हिंसक प्रदर्शन हुए थे और धांधली के आरोप लगे थे। स्थानीय निर्वाचन आयोग के अनुसार, शेष सीट पर 21 अगस्त को मतदान होने की संभावना है। हारने वाले पूर्व नेताओं में ''पूर्व प्रधानमंत्री'' एवं मुस्लिम कांफ्रेंस के प्रमुख सरदार अतीक अहमद खान शामिल हैं, जिन्हें एलए-14 (पश्चिम बाग, धीरकोट) सीट पर अवामी दस्त-ओ-बाजू पार्टी के सरदार साजिद इकबाल ने हराया। वहीं एलए-15 (सेंट्रल बाग) सीट पीपीपी उम्मीदवार जिया कमर ने बरकरार रखी। उन्हें 16,637 वोट मिले और उन्होंने मामूली अंतर से पीएमएल-एन उम्मीदवार मुश्ताक मिन्हास को हराया, जिन्हें 15,015 वोट मिले। इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी में शामिल हुए पूर्व प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास को केवल कुछ हजार वोट ही मिल सके।

### प्रतियोगिता

पटना वीमेंस कॉलेज में देशभक्ति गीत प्रतियोगिता से पहले तिरंगा थीम वाली पोशाक में पोज़ देती छात्राएं।

'लॉक अप' सीजन 2 की विजेता श्रेया कालरा की विक्ट्री पार्टी में शामिल हुए अभिनेता सुयश राय और किश्वर मर्चेंट।

# जिमी शेरगिल के साथ स्क्रीन शेयर कर खुश हुईं दीया मिर्जा

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हालिया रिलीज वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) की पत्नी कमलप्रीत कौर धनोआ के किरदार में नजर आ रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने सीरीज का हिस्सा बनकर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें अभिनेता जिमी शेरगिल के समेत कई लोगों के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि सीरीज का हिस्सा होना उनके लिए बड़ी बात है, जिसके लिए उन्होंने सभी का आभार जताया। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, एक कलाकार के तौर पर हम जो किरदार हम किरदार नहीं चुनते, बल्कि किरदार हमें चुनता है, जिससे हम एक बेहतर इंसान बनते हैं। 'ऑपरेशन सफेद सागर' में कमलप्रीत धनोआ का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। कमल मैम आपका शुक्रिया। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। टोनी सर, आप कमाल हैं। जिमी शेरगिल सर, आपके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। टोनी धनोआ (पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ का घर का नाम) के रोल के लिए आपसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। 6 एपिसोड की एक हिंदी वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में जिमी शेरगिल ने अभिनेत्री दीया मिर्जा के पति पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) का किरदार निभाया है। सीरीज में दीया मिर्जा ने कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार निभाने के जरिए उन महिलाओं के अनकहे बलिदानों और ताकत को पर्दे पर उतारा है, जो अपने पतियों को मुस्कुराकर देश की रक्षा के लिए भेजती हैं। सीरीज में युद्ध के मैदान के साथ-साथ राजनीतिक और कूटनीतिक तनावों (जैसे भारत और पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के बीच की हलचल) का भी यथार्थवादी चित्रण किया गया है।

सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के ऐतिहासिक और साहसी हवाई ऑपरेशन पर आधारित है। सीरीज में दीया और जिमी शेरगिल के अलावा, सिद्धार्थ, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, आदिल हुसैन और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं।

# अर्जुन कपूर ने शेयर की लंदन डायरीज

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से लंदन में बिताए गए पलों की झलकियां शेयर कीं। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वे बहन जाह्नवी कपूर समेत कई लोगों के साथ नजर आ रहे हैं। पहली तस्वीर में अर्जुन को एक रेस्टोरेंट में बैठे देखा जा सकता है, जो प्लेटों और ड्रिंक्स से भरी एक टेबल के सामने पोज दे रहे हैं। अगली तस्वीर में एक्टर सूट में नजर आ रहे हैं, जबकि एक अन्य तस्वीर में वे बहन जाह्नवी कपूर के साथ पोज देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। बाकी तस्वीरों में अभिनेता की लंदन डायरीज शामिल हैं।

अभिनेता ने पोस्ट शेयर कर लिखा, लंदन की गर्मियों की एक पारी पूरा कर ली।अभिनेता की पोस्ट को फैंस द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। हालांकि, फैंस ये कयास भी लगा रहे हैं कि अभिनेता की ये पोस्ट लंदन के मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया बनाम इंग्लैंड ओडीआई मैच के दौरान का है।

दरअसल, जान्हवी कपूर और अर्जुन कपूर को हाल ही में लंदन के मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में इंडिया बनाम इंग्लैंड ओडीआई देखने के लिए थे। दोनों ने शानदार फॉर्मल लुक में ट्विन किया, जिसमें जान्हवी ने एक रिच चॉकलेट-ब्राउन, डबल-ब्रेस्टेड ब्लेजर चुना। वहीं, अर्जुन कपूर ने गहरे नेवी-ब्लू शेड का सिंगल-ब्रेस्टेड सूट जैकेट पहना था।

अर्जुन और जान्हवी के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है और उन्हें कई मौकों पर एक-दूसरे को सपोर्ट करते देखा गया है। अर्जुन कपूर और जान्हवी कपूर सौतेले भाई-बहन हैं। फिल्ममेकर बोनी कपूर उनके पिता हैं। अर्जुन, बोनी कपूर और उनकी पहली पत्नी स्वर्गीय मोना शौरी कपूर के बेटे हैं, जबकि जान्हवी बोनी की दूसरी पत्नी दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी हैं। 2018 में जान्हवी की मां श्रीदेवी की मौत के बाद अर्जुन और जान्हवी का रिश्ता और मजबूत हो गया। हालांकि भाई-बहन अलग-अलग पले-बढ़े थे, लेकिन अर्जुन और उनकी बहन अंशुला कपूर मुश्किल समय में जान्हवी और खुशी के लिए एक अहम सपोर्ट बने।

# 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' में डिप्टी कमिश्नर बनीं तब्बू

**हैदराबाद/एजेन्सी**

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' को लेकर फैंस के बीच काफी समय से उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं और इसका निर्देशन पुरी जगन्नाथ कर रहे हैं। फिल्म को लेकर पहले ही विजय सेतुपति के लुक ने खूब ध्यान खींचा था। अब मेकर्स ने अभिनेत्री तब्बू के किरदार की झलक जारी कर दी है। सोमवार को फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर तब्बू के किरदार का एक खास वीडियो जारी किया, जिसे निर्देशक पुरी जगन्नाथ ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। उन्होंने तब्बू को भारतीय सिनेमा का अनमोल रत्न बताते हुए फिल्म में उनके किरदार की जानकारी दी। वीडियो में तब्बू 'गौरी हेगड़े' के रूप में नजर आ रही हैं। उन्हें एक ऐसी महिला के तौर पर पेश किया गया है, जो निडर है, ताकतवर है और किसी भी चुनौती से पीछे नहीं हटती।

वीडियो की शुरुआत तब्बू के किरदार को 'पावरफुल ऑफिसर' के तौर पर पेश करने से होती है। इसके बाद वीडियो में उनके कई एक्शन से भरपूर सीन दिखाई देते हैं। तब्बू का किरदार लोगों को धमकाता और थप्पड़ मारता नजर आता है। उनके चेहरे के हाव-भाव और बातचीत का अंदाज भी काफी सख्त है।वीडियो में एक सीन खास तौर पर लोगों का ध्यान खींचता है, जिसमें तब्बू विजय सेतुपति के किरदार से बात करती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं, 'हमारे स्टाइल में पहले गोली चलाते हैं और फिर बात करते हैं।'वीडियो के आखिर में तब्बू के किरदार की पहचान सामने आती है। वह बताती हैं कि उनका नाम गौरी हेगड़े है और वह इनकम टैक्स विभाग में डिप्टी कमिश्नर हैं।तब्बू के इस अंदाज ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ा दी है। दर्शक अब यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गौरी हेगड़े का किरदार विजय सेतुपति की कहानी से किस तरह जुड़ा होगा।फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है। फिल्म के अलग-अलग भाषाओं वाले वर्जन पर भी काम किया जा रहा है, ताकि इसे बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा सके।फिल्म का निर्माण पुरी जगन्नाथ अपने प्रोडक्शन बैनर पुरी कनेक्टस के तहत कर रहे हैं। इसे चार्मी कौर, जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कोंड्रला के सहयोग से पेश किया जा रहा है। फिल्म में विजय सेतुपति के साथ संयुक्ता मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। 'स्लमडॉग 33 टेंपल रोड' को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में दर्शकों के सामने आएगीi

# सप्तदिवसीय सुबोधिनी श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के अंतर्गत श्री माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में सप्तदिवसीय सुबोधिनी श्रीमद्भागवत कथा का भव्य एवं भक्तिमय शुभारंभ हुआ। आयोजन के प्रथम दिवस श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्रातः 8 बजे श्री बालाजी मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। आडियप्पन स्ट्रीट एवं मिंट स्ट्रीट से होते हुए शोभायात्रा वैष्णवाचार्य गोस्वामी 108 श्री गोवर्धनेशजी महोदयश्री जी की सवारी के साथ गाजे-बाजे और भक्तिमय वातावरण में श्री माहेश्वरी भवन पहुंची। इसके पश्चात पंडित श्री कमलजी व्यास के मंत्रोच्चारण के बीच पावन श्रावण मास के अवसर पर भगवान शिवजी का विधिवत रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भगवान शिव का पूजन-अर्चन कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि तथा मंगलमय भविष्य की कामना की।

दोपहर 3 बजे से श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर समिति के मंत्री किशोर कुमार जेठा ने मुख्य मनोरथी कांता जे. नारायणदास राठी परिवार, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गौरी शंकर राठी तथा समिति के अध्यक्ष बंशीलाल दलाल को मंच पर आमंत्रित किया। स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश के शुभ अवसर पर सभी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य मनोरथी परिवार को व्यासपीठ की पूजा एवं श्रीमद्भागवत जी पर माल्यार्पण के लिए आमंत्रित किया गया।

भक्तिमय वातावरण में आयोजित इस धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन में समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आगामी छह दिनों तक श्रीमद्भागवत कथा के विभिन्न आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी प्रसंगों का श्रद्धालुओं को भक्तिभाव से रसपान कराया जाएगा। भव्य शोभायात्रा का पूरा कार्य संचालन हेतु मंत्री ने अनिल कुमार घुरखा, राजन सारडा, सविता माहेश्वरी, दिलीप कोठारी को धन्यवाद दिया।

सप्तदिवसीय सुबोधिनी श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस वैष्णवाचार्य महाप्रभु श्रीमद् वल्लभाचार्य जी के वंशज गोस्वामी श्री गोवर्धनेश जी महोदयश्री ने कहा कि आज समाज में चरित्र निर्माण की अत्यंत आवश्यकता है। श्रीमद्भागवत कथा मन को पवित्र करने के साथ-साथ व्यक्ति के जीवन में सद्गुणों और संस्कारों का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि आज हमें पाँच वस्तुओं के दर्शन होते हैं-चरित्र, उपदेश, गीत, प्रसंग और रूपक। वर्तमान समय में अनेक प्रकार के ऐसे कार्य और परिस्थितियां हैं, जो हमारे मन को दूषित करते हैं। ऐसे में श्रीमद्भागवत कथा हमारे मन को निर्मल एवं पवित्र करने का कार्य करती है। इसी कारण श्रीमद्भागवत को 'ज्ञान गंगा' कहा जाता है।

# सेवग, राजपुरोहित, खेतेश्वर टीम विजयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां विप्र स्पोर्ट्स क्लब चेन्नई द्वारा आयोजित विप्र प्रीमियर क्रिकेट टूर्नामिंट के चौथे चरण के मैच 9 अगस्त को व्हाइट जर्सी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए। विप्र स्पोर्ट्स क्लब के कैलाश शर्मा ने बताया कि ए मैदान पर पहला मैच पारीक टीम का रावल टीम से था। जिसमें पारीक टीम ने 7 विकेट से विजय की व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब विनोद पारीक को मिला। दूसरा मैच खेतेश्वर टीम का सुपर लीजेंड टीम से था जिसको खेतेश्वर टीम 49 रन से जीती, अरविंद सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहा, मैदान का अंतिम मैच सारस्वत टीम का आडीगौड टीम से था, आडीगौड टीम 6 विकेट से विजयी रही दुर्गेश सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहा।

बी मैदान पर पहला मैच सेवग टीम का पुष्करणा टीम से था जिसमें सेवाग टीम 69 रन से जीत दर्ज की, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कार्तिक रहा, दूसरा मैच राजपुरोहित टीम का श्रीमाली टीम से था जिसमे राजपुरोहित टीम 56 रन से विजयी रही, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दिनेश रहा अंतिम मैच दधिमती टीम का खण्डेलवाल टीम से था जिसमें खण्डेलवाल टीम ने मैच नहीं खेला जिस कारण दधिमती टीम विजयी रही। इस दिन के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार अनिल शर्मा, पंडित दामोदर विकास गौड़ की तरफ़ से प्रदान किए गए। शंकर लाल शर्मा ने बताया कि टूर्नामिंट को सफल बनाने में ओम प्रकाश पारीक, श्रीगोपाल, राधेश्याम, पंकज व्यास, स्व दामोदर दहीमा, लक्ष्मीकांत शर्मा, जगदीश सेवग, विनोद धर्मराज, किरण अरविंद राजपुरोहित, चैनराज व सुरेन्द्र व्यास का विशेष योगदान रहा।

# हमारे ध्यान का अंतिम लक्ष्य हो अन्तर्मन की शांति, दिव्य आनन्द की अनुभूति : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने कहा कि शांति के साथ सुविधाएं मिलना बेहतर है, बजाय सुविधाओं के साथ अशांति मिले। हमारे ध्यान का अंतिम लक्ष्य हमारे अन्तर्मन की शांति, शुद्धि, दिव्य आनन्द की अनुभूति और स्व दर्शन में एकाग्र बनना है। आज ही के दिन श्रावण वदी चतुर्दशी के दिन परमात्मा महावीर के निर्वाण के कुछ वर्षों पश्चात राजस्थान के उपकेशपुर (ओसियां) में ओसवाल वंश की उत्पत्ति हुई थी। महावीर के समय में मूलतः ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और क्षुद्र चार वर्ण ही थे, यही जातियां मानी जाती थीं। परमात्मा के समवशरण में चारों जातियों के लोग उपस्थित होते थे।

परमात्मा स्वयं क्षत्रिय थे, प्रथम गणधर गौतम स्वामी ब्राह्मण थे। हरिकेश बल क्षुद्र थे।

सभी को पढाने, विद्या अर्पण और संस्कारवान बनाने का दायित्व ब्राह्मणों को दिया गया था। क्षत्रिय जाति को समाज की सुरक्षा करने का दायित्व था। वैश्य जाति को व्यापार करने और सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति की ज़िम्मेदारी थी। उस समय चाहत की भावना किसी के भी मन में नहीं थी। तब तक सामाजिक व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही थी। ऐसे समय में चमत्कार के नाम पर बलि प्रथा प्रारम्भ हुई थी। उस समय रत्नप्रभसूरीजी ओसियां गांव पधारे जहां देवी को मनुष्य और पशु बलि चढ़ती थी।

# बुद्धि का कैलकुलेशन नहीं, हृदय की संवेदना चाहिए : मुनि तीर्थचैतन्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी म. ने कहा कि मनुष्य के भीतर से निकलने वाली आवाज दो प्रकार की होती है, एक बुद्धि से और दूसरी हृदय से। बुद्धि के शब्दों में हिसाब, तर्क और अपेक्षा होती है, जबकि हृदय से निकले शब्दों में संवेदना, सच्चाई और आत्मीयता होती है। आज जीवन में कैलकुलेशन बढ़ गया है, इसलिए रिश्तों में भी आत्मीयता कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि धर्म का तत्व कभी नहीं बदलता, केवल उसे समझाने की पद्धति बदल सकती है। मंजिल वही रहती है, मार्ग बदल सकता है। हमने धर्म बहुत सुना है, लेकिन प्रश्न यह है कि सुने हुए में से कितना जीवन में उतारा? सद्गुरु की वाणी का उद्देश्य केवल ज्ञान बढ़ाना नहीं, बल्कि ज्ञान को अनुभूति और आचरण में बदलना है।

मोक्ष का महत्व समझाते हुए कहा कि मोक्ष बहुत सरल है। लेकिन हम सरल चीज़ को भी कठिन बना देते हैं। हम सोचते हैं कि मोक्ष के लिए बहुत कुछ करना पड़ेगा, बहुत साधना करनी होगी, बहुत नियम करने होंगे, बहुत कुछ प्राप्त करना होगा। लेकिन वास्तविकता में पहला कदम है स्वीकार करना। स्वीकार का अर्थ है जो परिस्थिति सामने आई है, उसे बिना अपनी इच्छा थोपे स्वीकार करना। मोक्ष का अर्थ केवल इच्छा पूरी होना नहीं है। मोक्ष की दिशा में कदम है, इच्छा के बंधन से मुक्त होना। उन्होंने कहा कि शास्त्र हमें केवल जीने की कला नहीं सिखाते, बल्कि मृत्यु को समझने की दृष्टि भी देते हैं। इसलिए धर्म केवल जानकारी नहीं है, धर्म जीवन को देखने की दृष्टि है।

# आन्तरिक शुद्धि के लिए तप आवश्यक : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के एसएस जैन संघ के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में विराजित श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि आत्मा की शुद्धि दो प्रकार से होती है- बाह्य एवं आन्तरिक। बाहरी शुद्धिकरण की अपेक्षा आन्तरिक शुद्धि अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि आत्मिक विकास का आधार अंतर्मन की निर्मलता है। गुरुदेव ने कहा कि आन्तरिक सफाई के लिए तप आवश्यक है। भगवान महावीर ने सचित्त पदार्थों के त्याग तथा अचित पदार्थों के मर्यादित उपभोग का संदेश दिया है। उन्होंने बताया कि चौदह नियमों का पालन करने वाला व्यक्ति संसार के जीवों को अभयदान प्रदान करता है। तपस्या प्रारम्भ करने से पूर्व चौदह नियमों का पालन करना चाहिए तथा तप के दौरान एक स्थान पर रहकर या न्यूनतम विचरण कर साधना करनी चाहिए, जिससे तपस्या का पूर्ण फल प्राप्त हो सके।

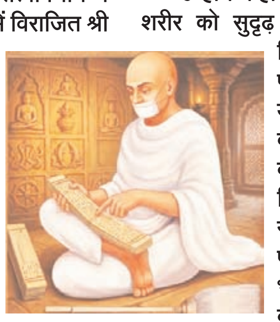

उन्होंने कहा कि सूर्य का ताप शरीर को सुदृढ़ बनाता है तथा विगई (विकारी) पदार्थों का सेवन यथासंभव कम करना चाहिए, क्योंकि इससे विकार उत्पन्न नहीं होते। सादा एवं सात्विक भोजन करने वाले व्यक्ति का मन शांत रहता है। तपस्या के पश्चात मर्यादित भोजन करने वाला जीव निरोगी एवं स्वस्थ जीवन व्यतीत करता है। घर-घर जाप की श्रृंखला के अंतर्गत नमस्कार महामंत्र जाप का कार्यक्रम भंवरलाल महेन्द्रकुमार अलिजार परिवार के निवास स्थान पर सम्पन्न हुआ। यह जानकारी संघ महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने दी। कार्यक्रम का संचालन सज्ञनराज सुराणा ने किया।

# मृत्यु से डरना नहीं चाहिए, डरना कायरता की निशानी : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में ज्ञानमुनिजी ने मंगलवार को प्रवचन में कहा कि इंसान को एक दिन दुनिया से जाना पड़ेगा, जो भी इंसान जन्मा है उसकी मृत्यु निश्चित है। मृत्यु से डरना नहीं चाहिए। डरना कायरता की निशानी है।महापुरुष कभी भी मृत्यु से नहीं डरते। ज्ञानी व्यक्ति को मृत्यु से डर नहीं लगता। मृत्यु से डरो मत, जिंदगी ऐसी बनाओ कि दुनिया आपको याद रखे। हमारे शरीर का कोई भरोसा नहीं, कभी भी साथ छोड़ सकता है। परंतु अगर आप अच्छे इंसान बनाना चाहेंगे तो आपको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा क्योंकि आप हमेशा अपने आप पर भरोसा कर पुरुषार्थ की

तरफ़ क़दम बढ़ाएँगे। ङ्गलोकेशमुनिजी ने कहा कि जिस प्रकार किसी वस्तु को देखने के लिए प्रकाश की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार स्वाध्याय को पाने के लिए वाचना की आवश्यकता होती है। वाचना का मतलब व्याख्यान होता है, सवाल-जवाब करने से ज्ञान बढ़ता है। गौतम स्वामी ने भी भगवान महावीर स्वामी से बहुत सारे सवाल पूछे थे जिनके समाधान से हम आज भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। संघ के मंत्री अशोक बांठिया ने संचालन किया।

# माँ जीण भवानी का झूलोत्सव मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जीण माँ के दीवाने के सदस्यों ने रविवार को केआर पुरम स्थित ओमप्रकाश-रीना चौधरी के निवास पर जीण भवानी का झूलोत्सव मनाया। इस अवसर पर संगीतमय मंगलपाठ किया गया तथा उत्सव में स्थानीय गायक हिमांशु मंत्री, अंकिता मंत्री, रिंकू खंडेलवाल एवं स्वाति शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी व मंगलपाठ किया। इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल ने 6 सितम्बर को आयोजित संस्था के तीसरे वार्षिकोत्सव की भी जानकारी दी।झूलोत्सव में संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

# आत्मा को परमात्मा बनाना है तो कर्मों से खाली होना पड़ेगा : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य भगवंत श्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. के सान्निध्य में मंगलवार प्रातः साध्वीश्री ज्ञानसुरभि निधिश्रीजी के मासक्षमण तप की अनुमोदनार्थ तप वंदना एवं सामूहिक सामायिक का आयोजन हुआ। इस मौके पर आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म. का सान्निध्य प्राप्त हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर तपस्विनी के तप की अनुमोदना की। साध्वीश्री के धर्मसभा में प्रवेश के साथ ही वातावरण श्रद्धा एवं भक्ति से सराबोर हो गया और तपस्वी ने वंदन..' के जयघोष से धर्मसभा गूंज उठी।

संघ अध्यक्ष तेजराज कोठारी ने स्वागत करते हुए कहा कि संघ के लिए यह गौरव की बात है कि एक के बाद एक धार्मिक अनुष्ठान निरंतर आयोजित हो रहे हैं। पूर्वाध्यक्ष रमेश मूथा ने कहा कि यह परमात्मा के शासन की कृपा और संघ के पुण्योदय का अवसर है कि गुरुदेव का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। सचिव संघवी आकाश जैन ने कहा कि मासक्षमण तप की अनुमोदना करना भी एक प्रकार की तपस्या है। उन्होंने तपस्विनी के पुरुषार्थ की अनुमोदना करते हुए सामूहिक सामायिक में सहभागी बने श्रद्धालुओं की भी सराहना की। संघ की ओर से तपस्विनी साध्वी के सांसारिक माता-पिता का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म. ने साध्वीश्री के मासक्षमण तप की अनुमोदना करते हुए कहा कि आत्मा को परमात्मा बनाना है तो पहले उसे कर्मों से खाली करना होगा। शास्त्रों में आत्मकल्याण के अनेक सूत्र बताए गए हैं, लेकिन एक सरल सूत्र है जो खाली होता है, वही भरा जाता है। यदि आत्मा को परमात्मा बनाना है तो भीतर का अहंकार, मोह, राग-द्वेष और कर्मों का भार कम करना ही होगा। आचार्यश्री ने श्रमण-श्रमणी विहार में सेवा देने वाले चेन्नई के लगभग 300 सेवकों के सम्मान की घोषणा की। गुरुवार प्रातः विशेष महामांगलिक का आयोजन एवं वासक्षेप प्रदान किया जाएगा। इसके पश्चात गिरनार की रचना तथा भगवान नेमिनाथ के जन्मोत्सव पर विशेष भक्ति का आयोजन होगा। आचार्यश्री ने आगामी 21 से 23 अगस्त तक आयोजित अट्ठम तप की आराधना में 1,008 तपस्वियों के जुड़ने की भावना व्यक्त करते हुए श्रद्धालुओं को तपस्विनी साध्वीश्री के हाथों से संकल्प पत्र ग्रहण करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में 'शासन गौरव' मनोज राठोड़ ने तप संवेदना और धीरज निमजीया ने संगीत की प्रस्तुति दी।

## महारुद्राभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएस पुरम् स्थित राजस्थानी संघ भवन में रविवार को श्रावण मास में महारुद्राभिषेक का जगन्नाथ टेक्सटाइल्स द्वारा आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनेक शिवभक्तों सहित प्रशासनिक लोगों और राजनेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में सबका स्वागत जगन्नाथ टेक्सटाइल के प्रमुख और समाजसेवी रमेश टिबरेवाल ने किया। इस मौके पर परिवार के श्रीमती उषा टिंबरेवाल, अभिषेक, अनुभव और अनुराग टिंबरेवाल उपस्थित रहे। संचालन गोपाल मस्करा ने किया।

# पर की आशा जितनी कम, जीवन में सुख उतना अधिक : साध्वी प्रियरंजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रिथर्डन रोड़ स्थित कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और मूल्यवान है। हमें इस बड़भागी जीवन को सुखमय और सार्थक बनाने के लिए अपनी इच्छाओं, आशाओं और अपेक्षाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। अपेक्षाओं का बोझ बढ़ता जाता है तो वही जीवन सुख का साधन बनने के बजाय दुःख और बोझ का कारण बन जाता है।

उन्होंने कहा कि आज मनुष्य के अधिकांश दुःखों के पीछे उसकी बड़ी-बड़ी अपेक्षाएं हैं। माता-पिता चाहते हैं कि संतान उनकी इच्छा के अनुसार चले, उनका सम्मान करे और उनकी बात माने। दूसरी ओर संतान की भी माता-पिता से अनेक अपेक्षाएं होती हैं। पति चाहता है कि पत्नी उसके घर लौटने पर प्रेम से स्वागत करे, वहीं पत्नी अपने मन में संचित शिकायतों के साथ उसका इंतजार करती है। इसी प्रकार सास-बहू और परिवार के अन्य सदस्यों के बीच भी अपेक्षाओं का टकराव तनाव का कारण बन जाता है।

साध्वीश्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि विवाह के समय किए गए वादों को लेकर पति-पत्नी के बीच होने वाला हास्यपूर्ण संवाद भी यही बताता है कि परिस्थितियां बदलने के साथ अपेक्षाएं और वास्तविकताएं भी बदल जाती हैं। इसलिए दूसरों से अपनी इच्छा के अनुरूप व्यवहार की अपेक्षा करने के बजाय स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप ढालना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन स्वयं भी अनेक जीवों और व्यक्तियों की सहायता पर टिका हुआ है। पृथ्वी, जल, वनस्पति, वायु और अग्नि निरंतर हमारे जीवन को सहारा देते हैं। माता-पिता, भाई-बहन, संतान, कुटुंब, समाज, विद्यालय और घर-असंख्य लोगों एवं साधनों के सहयोग से हमारा जीवन चलता है। इसलिए दूसरों की सहायता लेना और दूसरों से अपनी इच्छानुसार व्यवहार की अपेक्षा करना-इन दोनों में अंतर समझना चाहिए।

साध्वीश्री ने कहा, पर की आशा जितनी कम, सुख उतना अधिक; और पर की आशा जितनी अधिक, दुःख उतना अधिक। जो व्यक्ति आशाओं का दास बन जाता है, वह संसार की अपेक्षाओं का गुलाम बन जाता है। जिसने अपनी आशाओं और तृष्णाओं पर विजय प्राप्त कर ली, उसने वास्तविक अर्थों में स्वयं पर विजय प्राप्त कर ली।

# आरआर नगर तेरापंथ भवन में धर्म की दो धाराओं का हुआ आध्यात्मिक मिलन

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में मंगलवार को ओंकार आश्रम महासंस्थान के स्वामी मधुसूदनानन्द पुरीजी ने भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आकाश कुमार जी के साथ आध्यात्मिक मिलन किया। इस मौके पर मुनिश्री ने आचार्यश्री महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा के 3 मुख्य उद्देश्यों में से एक उद्देश्य सद्भावना का विकासका वर्णन करते हुए कहा कि उनकी यात्रा के दौरान समय समय पर अनेक सम्प्रदायों के प्रतिनिधियों से आध्यात्मिक मिलन होता रहा। मुनिश्री ने कहा कि भारतवर्ष में ऋषि-मुनि परंपरा अनादिकाल से चली आ रही है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमने इस ऋषि-मुनियों की धरती पर जन्म लिया। आज भी विज्ञान रिसर्च करता है, रिसर्च का अर्थ है जो पूर्व में रहा है उसको पुनः खोजना।

व्यक्ति को सदैव सकारात्मक सोच रखनी चाहिए।

नकारात्मकता आगे बढ़ने के राह में अवरोध उत्पन्न करती है। ङ्गस्वामी मधुसूदनानन्द पुरीजी ने राजराजेश्वरी नगर को देवी मां के वरदान से विकसित भूमि बताया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग विचारधाराओं को ही दर्शन कहते हैं।

मंजिल सबकी एक ही है मोक्ष। इसके लिए सबसे पहले हमें स्वयं को जानना होगा और उसे जानने का मार्ग ही सन्मार्ग है और यह सत्संग से ही प्राप्त होता है। ङ्गसभाध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने संतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर मंत्री अमित नौलखा, ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, तेयुप के अध्यक्ष सरल पटावरी, मंत्री संदीप बैद, तेममं की अध्यक्ष मंजू बोथरा ने स्वामी मधुसूदनानन्द पुरी जी एवं स्वामी आत्मनिष्ठानंद जी का सम्मान किया। मंच संचालन मुनिश्री हितेन्द्र कुमार जी ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.